आज का सुविचार
जो बाहर की सुनता है वो बिखर जाता है, जो भीतर की सुनता है वो संवर जाता है!

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है।
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 35 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 04 अक्टूबर 2024 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

राज्यपाल मंगुभाई पटेल भजन संध्या संत वाणी कार्यक्रम में हुए शामिल

● बंदिश, भाषा और भौगोलिक सीमाओं से परे भजनों की राजभवन में हुई प्रस्तुति
● राज्यपाल ने गांधी जयंती पर स्वच्छता सेवियों का किया सम्मान

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल गांधी जयंती पर आयोजित भजन संध्या संत वाणी में शामिल हुए। राजभवन के उत्कृष्ट सफाई मित्रों और भोपाल के स्वच्छता सेवियों को सम्मानित किया। राजभवन के सांदीपनि सभागार आयोजित भजन संध्या में गायन की बंदिश, भाषा के बंधन और भौगोलिक सीमाओं से परे भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर संस्कृति राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चन्द गुप्ता, राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या मे भक्त श्रोतागण उपस्थित थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राजभवन की हेड जमादार श्रीमती रूमा बाई, सफाई कर्मचारी श्री मूलचंद बसोड़ और एजेन्सी सफाई कर्मचारी श्री महेश बिछौले को पदक, प्रमाण पत्र और स्वच्छता किट प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर भोपाल नगर के स्वच्छता सहयोगी अशासकीय संस्थाओं के संस्थापकों को भी सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में स्वच्छता किटी ग्रुप भोपाल की को-फाउंडर सुश्री रूचिका सचदेव और सकारात्मक सोच स्वच्छ भारत संगठन की को-फाउंडर सुश्री अनिता शर्मा शामिल हैं। संत वाणी कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मुख्य गायक कलाकार श्री राजीव सिंह ने श्री अमन मलक एवं श्री रोहित कुमार वानखेड़े के साथ अपनी उत्सव प्रधान गायकी की विशिष्ट शैली में भजनों का गायन किया। संत साहित्य से आई हुई संगीत की पारंपरिक विधा के निर्गुण भजन, सूफी कलाम और कृष्ण भक्ति के भजनों और गीतों की प्रस्तुति दी। उन्होंने सबसे पहले राजस्थानी शैली में इंग्लिश नरेशन के साथ ÷वंदे मातरम÷ गीत की अनूठी प्रस्तुति दी। उत्सवी उल्लास के साथ श्री कृष्ण भजन ÷सांसों की माला तोहरे नाम÷ से श्रोताओं को भक्ति के उल्लास में तरंगित कर दिया। संत कबीर के भजन ÷कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर, ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर÷ को जोशीले अंदाज में प्रस्तुत किया। पद्मविभूषण सम्मानित भूपेन हजारिका के गीत गंगा बहती क्यों हो÷ के द्वारा श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। सभागार में दक्षिण भारत के कृष्ण भक्त नवाब सादिक की रचना ÷कन्हैया याद है, कुछ भी हमारी÷ की सुरीली स्वर लहरी से भक्ति की बयार बहा दी। प्रसिद्ध शायर नज़ीर अकबराबादी की नज्म आदमीनामा के चुनिंदा शेरों को अपनी विशिष्ट गायन शैली में प्रस्तुत किया।

अमृतसर के कृष्ण भक्त अथोनी के पंजाबी भजन कृष्णा तेरी मुरली ते भला कौन नही नाचदा, धरती चन सितारे नाच्दे, सारे भगत प्यारे नाच्दे÷ के द्वारा भजन संध्या के श्रोताओं को कृष्ण भक्ति में मगन कर दिया। संत वाणी की अंतिम प्रस्तुति में श्री राजीव सिंह ने अमीर खुसरो के कलाम ÷काहे को ब्याहे बिदेस, अरे, लखिय बाबुल मोरे÷ की सुमधुर प्रस्तुति से सभी श्रोताओं का मन मोह लिया। भजन संध्या संत वाणी के प्रथम सत्र में रूपाली चटर्जी, तलत हसन, शिखा यादव, शिखा बामने, मौसमी साहा, गीतिका लाहोट और अंजना भाटिया महिला समूह द्वारा भजनों का गायन किया गया। भजन संध्या का आरंभ महिला समूह की प्रस्तुति ÷वैष्णव जन तेने कहिए÷ भजन से हुआ। इसके बाद फिल्म जागृति के गीत ÷दे दी हमें आज़ादी हमें बिना खड़ग बिना ढाल साबर मति के संत तूने कर दिया कमाल का सामूहिक गायन किया। समूह की तीसरी और अंतिम प्रस्तुति संत कबीर के प्रसिद्ध भजन चदरिया झीनी-झीनी÷ सहित गीतों की प्रस्तुतियों ने संत वाणी कार्यक्रम को भक्ति भावों में भिगो दिया। भजन संध्या में गायक कलाकारों का वाद्ययंत्रों से संगत करने वालों में हनीफ हुसैन सारंगी, आरिफ खाँ बैंजो, आमिर खाँ तबले, प्रशांत श्रीवास्तव ढोलक, इकबाल खाँ ऑक्टोपैड और सुश्री आरती ढोलक पर शामिल थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में संचालक संस्कृति विभाग श्री एन.पी. नामदेव ने स्वागत उद्बोधन दिया। आभार प्रदर्शन नियंत्रक हाउस होल्ड श्रीमती शिल्पी दिवाकर ने किया।

सशस्त्र बल सेना क्या होती है इनका क्या कार्य होता है जानिए ...

सशस्त्र बल या सेना किसी देश की रक्षा और सुरक्षा के लिए गठित एक संगठित बल होता है। इसका मुख्य उद्देश्य देश की स्वतंत्रता, संप्रभुता, और अखंडता की रक्षा करना होता है। सशस्त्र बलों में तीन मुख्य शाखाएं होती हैं-

1. थलसेना (आर्मी)
2. वायुसेना (एयरफोर्स)
3. नौसेना (नेवी)

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)
9827737665

सशस्त्र बलों के मुख्य कार्य हैं-

1. देश की रक्षा और सुरक्षा
2. सीमाओं की रक्षा
3. आतंकवाद और अपराध के विरुद्ध लड़ाई
4. प्राकृतिक आपदाओं में सहायता
5. देश के हितों की रक्षा करना
6. अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में भागीदारी
7. मानवीय सहायता और बचाव कार्य

सशस्त्र बलों की अन्य जिम्मेदारियां-

1. देश के नागरिकों की सुरक्षा
2. सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना
3. आपदा प्रबंधन
4. सीमा प्रबंधन
5. खुफिया सूचना संग्रह

सशस्त्र बलों में विभिन्न पदों पर कार्यरत सदस्य होते हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख पद हैं-

1. जनरल/एडमिरल/एयरचीफ मार्शल (सेनाध्यक्ष)
2. ऑफिसर (अधिकारी)
3. जवान (सैनिक)
4. नॉन-कमीशंड ऑफिसर (एनसीओ)

सशस्त्र बलों का महत्व-

सशस्त्र बल किसी भी देश की सुरक्षा और रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। वे देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा करते हैं और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 के तहत महिलाओं का पीछा करना और उनकी गरिमा का अपमान करना गंभीर अपराध माने जाते हैं।

धारा 78-

यह धारा पीछा करने (Stalking) से संबंधित है। इसमें शामिल है-

- किसी महिला का बार-बार पीछा करना, चाहे वह व्यक्तिगत रूप से हो या ऑनलाइन (जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप)।
- महिला की स्पष्ट असहमति के बावजूद उससे संपर्क करने का प्रयास करना।

महिला की ऑनलाइन गतिविधियों की निगरानी करना।

धारा 79-

यह धारा महिलाओं की गरिमा का अपमान करने से संबंधित है, जिसमें धमकी देना और उनकी तस्वीरों का दुरुपयोग करना शामिल है।

1.इन धाराओं के तहत दोषी पाए जाने पर कठोर दंड का प्रावधान है, जिसमें कारावास और जुर्माना दोनों शामिल हो सकते हैं।

क्या आपको इन धाराओं के बारे में और जानकारी चाहिए?

मगराना में अस्पृश्यता निवारण सदभावना शिविर में मंत्री श्री टेटवाल एवं श्री पंवार शामिल हुए

भोपाल। गांधी जयंती पर बुधवार को राजगढ़ जिले के विकासखण्ड सारंगपुर के ग्राम मगराना में अस्पृश्यता निवारण एवं सदभावना शिविर हुआ। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विभाग श्री नारायण सिंह पंवार थे। तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने शिविर की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पंवार ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में भेदभाव या अस्पृश्यता का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। सामाजिक समरसता से हम संगठित होकर देश का विकास कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 685 करोड़ की परियोजनाओं का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज वर्चुअल माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन और अमृत योजना में 685 करोड़ रूपये की परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान का समापन समारोह कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चले इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बनाना था। पूरे प्रदेश में 42,000 से अधिक स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए। सफाई मित्रों का सम्मान किया गया और 2 लाख से अधिक सफाई मित्रों और उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने बताया कि विभिन्न विद्यालयों में स्वच्छता संवाद कार्यशालाओं में 1 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को अपशिष्ट प्रबंधन के विभिन्न चरणों की जानकारी भी दी गई। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि भारत अभियान के सपने को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में हर नागरिक प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अभियान की सफलता के लिए सहयोगियों, जन-प्रतिनिधियों और मीडिया को धन्यवाद दिया।

खिलाड़ी करें पदक की तैयारी, आप की चिन्ता होगी हमारी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पेरिस ओलम्पिक और पैरालम्पिक खिलाड़ियों से कहा कि खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय पदक जीतने की तैयारी करें, आगे की चिन्ता हम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को टी.टी. नगर स्टेडियम में पेरिस ओलम्पिक एवं पैरालम्पिक-2024 के चैम्पियन खिलाड़ियों को सम्मान राशि एवं शासकीय सेवा में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ओलम्पिक में भारतीय हॉकी का गौरव लौटने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे लिये गर्व की बात है कि हॉकी टीम में मध्यप्रदेश के गौरव विवेक सागर ने अपना अहम योगदान दिया और हमें गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 3 खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ और 3 खिलाड़ियों को 10-10 लाख रूपए, एक खिलाड़ी को तीन लाख रूपए और एक खिलाड़ी को दो लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि के चैक प्रदान किये। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, अपर मुख्य सचिव खेल श्रीमती स्मिता भारद्वाज एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी और उनके अभिभावक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की खिलाड़ी भावना इस बात से स्पष्ट होता है कि वे पदक विजेता खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं और पदक से वंचित खिलाड़ियों को अधिक उत्साह के साथ अगली प्रतियोगिता की तैयारी के लिए प्रोत्साहित कर उनका मनोबल बढ़ाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसी कारण से ओलम्पिक में जब हमारी बहन कुश्ती में पदक हासिल नहीं कर सकी तब भी प्रधानमंत्री श्री मोदी उनका हौसला बढ़ाया। प्रधानमंत्री श्री मोदी असफलता पर सिफ खिलाड़ियों का ही नहीं, बल्कि उच्च लक्ष्यों की प्राप्ति में असफलता पर वैज्ञानिकों के प्रयासों का अभिनंदन करते हैं।

पदक विजेता खिलाड़ी बने करोड़पति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओलम्पिक पदक हासिल करने वाले हॉकी खिलाड़ी श्री विवेक प्रसाद सागर, पैरालम्पिक पदक प्राप्त जूडो खिलाड़ी श्री कपिल परमार और शूटिंग खिलाड़ी सुश्री रूबीना फ्रांसिस को राज्य सरकार की ओर से एक-एक करोड़ रुपये की राशि का चैक भेंट कर सम्मानित किया।

थाना पठारी पुलिस की बड़ी कार्यवाही, मंदिरो मे हुई चोरी का किया पर्दाफास, माला बरामद कर आरोपियो को किया गिरफ्तार

विदिशा। थाना पठारी मे दिनांक 24/07/24 को रिपोर्ट प्राप्त हुई कि, श्री बालाजी (हनुमान जी) के गहने - चांदी का मुकुट, चांदी के दोनो हाथो के बाजू बंद, चांदी की माला को कोई अज्ञात आरोपी द्वारा बालाजी मंदिर में चैनल गेट का ताला तोडकर श्री बालाजी के गहने चुरा ले गए है रिपोर्ट पर से थाना पठारी मे अपराध क्र. 132/24 धारा 331(4), 305(स्त्र), ब्न्हस् का पंजीबद्ध किया गया एवं दिनांक 19/08/24 को रिपोर्ट प्राप्त हुई कि श्री हनुमान मंदिर विसलोनी के मंदिर से श्री हनुमान जी का चांदी का मुकुट, चांदी की 2 आंखे व चांदी की 2 भौंए व एक चांदी का तिलक को कोई अज्ञात आरोपी द्वारा श्री हनुमान मंदिर विसलोनी में दरवाजे का ताला तोडकर मंदिर के अंदर घुसकर श्री हनुमान जी के गहने चुरा ले गया हैं रिपोर्ट पर से थाना हाजा पर अपराध क्र. 144/24 धारा 331(4), 305(स्त्र), BNS का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारम्भ की गई। उक्त मंदिरो में हुई चोरी की गम्भीर घटना एवं जनमानस की धार्मिक भावनायें आहत होने से मामले की गम्भीरता को लेकर चोरो को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर चोरी गये भगवान के जेवर बरामद करने हेतु श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय श्री दीपक कुमार शुक्ला, श्रीमान् अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री प्रशांत चौबे, श्रीमान एसडीओपी महोदय श्री मनीष राज द्वारा निरंतर दिन प्रतिदिन की गयी कार्यवाही की जानकारी लेकर दिशा निर्देश दिये जा रहे थे। वरिष्ट अधिकारियों के निर्देशन में की जा रही कार्यवाही के दौरान दिनांक 27/09/24 को मुखबिर की सूचना पर कि दानखेड़ी मंदिर में दो लोग मूर्तियों को लगातार निहार रहे है जो संदिग्ध प्रतीत हो रहे है। मुखबिर सूचना पर तत्काल टीम व्दारा रवाना होकर दानखेडी मंदिर मंदिर परिसर में दो लोगो को पकड़ा जिनसे नाम पता पूछने पर 1. रामसिंह उर्फ रम्मू पिता दुर्जन सौर उम्र 25 वर्ष एवं 2. राजेन्द्र पिता गोविन्द गौड़ उम्र 26 वर्ष दोनो निवासी ग्राम बेरखेड़ी थाना बांदरी जिला सागर का होना बताया जिनको पुलिस अभिरक्षा मे लेकर पूछताछ की गई जो पुलिस के सवालो का स्पष्ट जबाब नहीं दे पाया एवं अपनी ही बातों मे उलझते हुये गोल मटोल उत्तर देते प्रतीत होने पर संदिग्धो से पृथक पृथक सख्ती एवं सूझबूझ से पूछताछ की गई, तो उक्त दोनो के व्दारा पठारी क्षेत्र के श्री बालाजीधाम हनुमान मंदिर बड़ोह, श्री हनुमान मंदिर बिसलोनी एवं उदयपुर मे माता के मंदिर मे चोरी करना स्वीकार किया, पूछताछ के दौरान आरोपी रामसिंह द्वारा चोरी किए गए आभूषण

मे से कुछ आभूषण अपने एक अन्य साथी गब्बर यादव पिता मेहताब यादव उर्फ नन्हे उम्र 26 वर्ष नि. ग्राम बेरखेड़ी के माध्यम से गढ़ोला जागीर एवं खुरई मे सुनार की दुकान पर बेचना बताया एवं आभूषण बेचकर प्राप्त किए गए रुपये आपस मे बाटना बताया, एवं कुछ आभूषण रम्मू उर्फ रामसिंह सौर और राजेंद्र गौंड से उनके बतायेनुसार जप्त किये गये एवं दोनों प्रकरण में आरोपियों व्दारा चोरी किये जेवर (मकुट आदि) को सुनारो से गलवा कर सिल्ली बनबाने पर मुताबिक आरोपियो के मेमोरेण्ड के प्रकरण में सुनारो को आरोपी बनाया गया जिनसे शेष मशरुका जप्त करना शेष है । सम्पूर्ण पुलिस कार्यवाही के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाबेगा । प्रकरण में आरोपीगण रम्मू उर्फ रामसिंह सौर एवं राजेन्द्र गौड़ व्दारा पूछताछ पर बताया कि वह एक साथ होकर घूम फिर बड़े मंदिरो की रैकी करके देखते थे कि रात में मंदिरों कोई रूकता है/सोता है कि नही जिन मंदिरो में मूर्तियो के पास कोई नहीं रूकता है तो यह दोनो उक्त सूने मंदिरों में रैकी करके मूर्तियों के जेवर/मुकुट उतार कर चोरी करते थे। इसी उद्देश से आज फिर उक्त आरोपियों व्दारा दानखेड़ी मंदिर में रैकी करते हुये संदिग्ध हालत में पकड़ा गया जो आगे यह दानखेड़ी मंदिर में चौरी की तैयारी में थे।

बालाजी धाम से चोरी जेवरः-

1. चांदी का मुकुट 01 वजन करीब 1.5 किलो ग्राम
2. चांदी के बाजूबंद 01 जोड़ी
3. चांदी की 01 माला

बिसलोनी मंदिर से चोरी जेवरः-

1. चांदी का मुकुट 01
2. चांदी की 01 जोड़ी आंखे
3. चांदी की 01 जोड़ी भौंयें
4. चांदी का 01 तिलक

महामाया मंदिर उदयपुर से चोरी जेवरः-

1. आर्टिफिसियल मुकुट व माला
2. चांदी के छत्र 06
3. सोने का मंदलसूत्र 01
4. चांदी की नथ 01
5. चांदी की बेंदी 01

आरोपी रम्मू उर्फ रामसिंह से जप्त मशरूकाः-

बालाजी धाम बड़ोह के मुकुट का आगे का हिस्सा एवं महामाया मंदिर उदयपुर के मंदिर की आर्टिफिसियल माला एवं घटना में प्रयुक्त होण्डा साईन मोटर सायकिल

आरोपी राजेन्द्र से जप्त मशरूकाः– मंदिरो से चोरी किये जेवरों को गला कर बनावाई चांदी की 01 सिल्ली वजन करीब 1 किलो एवं घटना में प्रयुक्त लोहे की राड़

आरोपी गब्बर से जप्त मशरूकाः– मंदिरो से चोरी किये जेवरों को गला कर बनावाई चांदी की 01 सिल्ली वजन करीब 200 ग्राम कुल जप्त मशरूका चांदी के मुकुट का हिस्सा वजन करीब 237 ग्राम, चांदी की 02 सिल्ली वजन करीब 01 किलो 200 ग्राम मामले में आरोपीगण के मेमोरेण्डम के मुताबिक भगवान के मंदिरो से चीरो किये जेवरो को गला कर सिल्ली बानने वाले सुनारो की तलाश कर शेष मशरूका जप्त की जाना है। उक्त कार्यवाही में थाना पठारी से निरी. विमलेश कुमार राय, उप निरी. के. के. पवांर, प्र.आर. 53 उत्तम सिंह, प्र.आर.542 कृष्णनन्द राय, आर. 451 हेमन्त लोधी, आर. 793 चालीराम यादव, आर. 871 शिवम तोमर, आर. 201 वीरेन्द्र अहिरवार, आर. 143 नरेन्द्र कुमार, आर. 68 नीरज चौबे, आर. 343 अरुण तिवारी, आर. 382 सतीश अहिरवार, आर. 314 प्रवीण चिढ़ार, आर. 962 दिलीप धाकड़, आर. 964 देवेंद्र उचारिया, म.आर. 951 स्वाति कटारे, म.आर. 1018 द्रोपति तिवारी, NCO 203 गणेशराम, sk 291 रामस्वरूप यादव, sk102 रणवीर एवं थाना खिमलासा जिला सागर से निरी. नितिन पाल एवं उनकी टीम की मुख्य भूमिका रही।

जल जीवन मिशन के उद्देश्यों ,महत्व के साथ ही पी. एच. ई. के प्रमुख सचिव के द्वारा

पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत मातृभूमि व प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया

भोपाल। आज दिनांक 02/अक्टूबर/2024 गांधी जयंती व सुजल शक्ति अभियान के अवसर पर भोपाल जिले के ग्राम बिलखिरियाकलां में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग (म.प्र शासन)श्री पी.नरहरी महोदय, प्रबंध संचालक जल निगम श्री वी एस चौधरी कोसलानी महोदय प्रमुख अभियंता श्री के.के.सोनगरिया महोदय , मुख्य अभियंता श्री आर के हिरोडिया महोदय, अधीक्षक यंत्री श्री एम सी अहिरवार महोदय, कार्यपालन यंत्री श्रीमति मंजू सिंह महोदया, सहायक यंत्री श्री संजय सक्सेना महोदय साथ ही उपयंत्री ,जिला सलाहकार ,ब्लॉक कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम अंतर्गत -

प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग (म.प्र शासन)श्री पी.नरहरी महोदय के द्वारा व संचालक जल निगम श्री वी एस चौधरी कोसलानी महोदय प्रमुख अभियंता श्री के.के.सोनगरिया महोदय , मुख्य अभियंता श्री आर के हिरोडिया महोदय, अधीक्षक यंत्री श्री एम सी अहिरवार महोदय, कार्यपालन यंत्री श्रीमति मंजू सिंह महोदया के द्वारा एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण का कार्य ग्राम पंचायत परिसर में किया गया जिसमें एक पेड़ माँ के नाम÷अभियान अंतर्गत मातृभूमि व प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया । सुजल शक्ति अभियान अंतर्गत प्रमुख सचिव महोदय के द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को प्रशस्वी पत्र से सम्मानित किया गया साथ ही सुजल शक्ति अभियान के संदर्भ में व नल जल योजना के संचालन संधारण के संबंध में ग्राम जल स्वच्छता समिति ,टैक्स सखी व स्व सहायता समूह की महिलाओं के साथ चर्चा की गई व जल जीवन मिशन की कीट (कैप व टीशर्ट) भेट की गई ।

नाबालिक के रेप फिर हत्या के मामले का खुलासा,हत्या के आरोपी पुलिस हिरासत में, मुख्यमंत्री ने दिये कठोर कार्यवाही के निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन

घटनाक्रम भोपाल का है जब मंगलवार को पीड़िता द्वारा शाहजहांनाबाद थाने में अपनी पांच बर्षीय बेटी के बिना बताये घर से चले जाने कि रिपोर्ट दर्ज कराई थी । जिस पर थाना शाहजहाँनाबाद भोपाल मे मर्ग कायम कर जाँच मे लिया ।जाँच के दौरान सूचना देने वाले ने अपने बयान मे बताया कि उनकी मल्टी बिल्डिंग में मच्छरों की दवा छिडकने के लिये कुछ लोग आये थे ,उसी के बाद से उसकी पाँच साल की लडकी का कोई पता नही चल रहा है । जाँच पर अज्ञात आरोपी द्वारा नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर अपहृत कर ले जाने की शंका से अज्ञात आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।अपराध की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ अधिकारियों ने आरोपियो की तलाश हेतु आदेश दिया । क्राइम ब्रांच की पूरी टीम को भी इस संवेदनशील अपराध में जाँच हेतु लगाया गया । पुलिस आयुक्त के द्वारा स्वयं घटना स्थल का निरीक्षण किया । सभी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सैकड़ों पुलिसकर्मियों की मदद से घटना की, तलाशी एवं पड़ताल के लिये 48 घंटें निरंतर अभियान चलाया गया । क्षेत्र के आसपास के कई सीसीव्ही फुटेज खंगाले गये । कई घंटो बैठकर सीसीटींव्ही फुटेज की पड़ताल की गई । कई लोगो से घटना के संबंध में पूछताछ पुलिस द्वारा की गई । पुलिस लगातार सभी फ्लेटो की तलाशी ले रही थी तभी पुलिस को पूरे फ्लेट की बारीकी से तलाश करने पर छुपी हुई छत के अंदर अदृश्य स्थान पर एक संदिग्ध पानी की टंकी दिखाई दी, जिसे दो सिपाहियो की मदद से नीचे उतारा गया । टंकी नीचे उतारते ही प्रथम दृष्टया किसी मृत शरीर की शंका हुई जिसकी पुष्टि कपड़ा हटाने से हुई । जिस फ्लेट से पुलिस को मृत बच्ची का शरीर बरामद हुआ उसमे मुख्य आरोपी के साथ उसके तीन रिश्तेदार भी रहते थे । आरोपी पुत्र घटना के बाद घर से फरार हो गया था।जिसको क्राइम ब्रांच की टीम ने घेराबंदी करके पकड़ लिया । आरोपी स्थाई रुप से अंबेडकर मोहल्ला मोहम्मदपुर तहसील गोगांवा जिला खरगोन का निवासी है । अतुल पांच माह पहले अपने मूल निवास खरगोन जिले से यहां आया हुआ था। आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और महिला उत्पीड़न के अपराध में थाना गोगांवा खरगोन में जेल काट चुका है । पूछताछ में आरोपी के द्वारा बच्ची का रेप व उसके बाद आरोपी की बहन और मां ने बच्ची को टब में डुबोकर बालिका की हत्या कर लाश को छुपाना स्वीकार कर लिया है । आरोपी ने बताया कि वह अगर थोड़ी देर और नहीं पकड़ा जाता तो वह ट्रेन में बैठकर भाग जाता । इसके अतिरिक्त आरोपी ने यह भी स्वीकर किया कि उसने बालिका की तत्काल ही हत्या कर लाश टंकी में ले जाकर बाहर फेंकना चाहता था परंतु तत्काल पुलिस के आने के कारण लाश को ठिकाने नहीं लगा पाया । हत्या के पश्चात आरोपी नें लाश को कपडे में लपटेकर टंकी में डाल दिया, टंकी को घर में गुप्त स्थान पर छुपा दिया था । उसके बाद भी आरोपी ने लाश के कई बार ठिकाने लगाने का प्रयास किया ताकि पुलिस को कोई साक्ष्य नहीं मिले । चूकि घटना के बाद पुलिस पूरे समय घटना स्थल एवं उसके आसपास मौजूद रही इसलिये लाश घर में मौजूद रही । जिसके कारण पूरे आपराधिक षड़यंत्र का खुलासा हो गया । मुख्यमंत्रीजी के निर्देशानुसार इस जघन्य अपराध की सघन व त्वरित विवेचना हेतु एस.आई.टी. का गठन किया गया है । ताकि आरोपियों को कडी से कडी सजा शीघ्र दिलाई जा सकें ।

सायबर क्राइम पुलिस की कार्यवाही

फर्जी वेबसाईड के माध्यम से इंवेस्टमेन्ट के नाम पर धोखाधडी करने वाले तीन को किया गिरफ्तार

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन

सायबर क्राइम ब्रांच भोपाल की टीम द्वारा क्व्ह्यद्म ट्रेडिंग व ढ्ढक्क में इंवेस्टमेंट के नाम पर कुल 86 लाख रुपये की धोखाधडी के आरोपियों÷ को भोपाल से गिरफ्तार किया गया है। सायबर क्राइम ब्रांच भोपाल को शिकायत प्राप्त हुई कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा व्हॉटसएप पर जुड़ कर तथा मोतीलाल ऑसवाल पीएमएस एप की लिंक भेजकर क्क्रय्र ञ्जह्लड्डस्रद्बठ्ठद्द में इन्वेस्टमेंट कराने के नाम पर कुल 86 लाख रुपये की ऑनलाईन धोखाधडी की गई । आरोपी द्वारा व्हॉटसएप के जरिये पीड़ित व्यक्ति से सम्पर्क किया तथा मोतीलाल ऑसवाल क्क्रस् एपलिकेशन की लिंक भेजकर आवेदक को क्क्रय्र ञ्जह्लड्डस्रद्बठ्ठद्द व ढ्ढक्क में इंवेस्टमेन्ट कर अच्छी राशि कमाने का लालच देकर अलग अलग रूप से राशि ली गई तथा राशि प्राप्त होने के संबंध में फर्जी रसिद पीड़ित को मेल की गई । धोखेबाज द्वारा आवेदक से राशि लेकर मोतीलाल ऑसवाल क्क्रस् एपलिकेशन पर अपलोड कर देता था जिससे आवेदक को विश्वास हो जाता था, इस प्रकार धोखेबाज द्वारा इंवेस्टमेन्ट के नाम पर आवेदक के साथ कुल 86 लाख रूपये का ऑनलाईन फ्रॉड किया गया । पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही के अन्तर्गत सायबर क्राईम जिला भोपाल की टीम द्वारा अपराध दर्ज करने के पश्चात तकनीकी जानकारी के आधार पर अपराध में प्रयुक्त बैंक खाता के धारक एवं टेलीग्राम एप पर अपराधियों को बैंक खाता बेचने वाले को मिनाल

रेसिडेंसी अयोध्या नगर भोपाल से गिरफ्तार किया गया। आरोपी से एक एण्ड्रोईड मोबाईल फोन, दो सिम कार्ड, तीन बैंक चेकबुक, एक बैंक पासबुक, एक एटीएम कार्ड व मूल दस्तावेज, आरोपी आकाश कौरव से एक एण्ड्रोईड मोबाईल फोन, दो सिम कार्ड, एक बैंक चेकबुक, एक एटीएम कार्ड व मूल दस्तावेज एवं दूसरे आरोपी से भी एक एण्ड्रोईड मोबाईल फोन, तीन सिम कार्ड, जय माँ भवानी इंटरप्राईजेस के रजिस्ट्रेशन के दस्तावेज, जय माँ भवानी इंटरप्राईजेस के नाम की सील , एक बैंक चेकबुक, 19 बैंक एटीएम कार्ड व मूल दस्तावेज को जप्त किया गया है। आरोपी नकली दस्तावेजो का उपयोगकर बैंक में ओपन कराते है।अपराध में प्रयुक्त बैंक खाते में हुआ है करीबन 15 करोड का ट्रांजेक्शन। करेंट अकाउंट प्रकरण में पाये गये तथ्?यों एवं साक्ष्यों के आधार पर विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया गया ।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भोपाल को प्रथम पुरस्कार हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्रेशन में उत्कृष्ट कार्य करने पर हुआ पुरस्कृत

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत हेल्थ प्रोफेशनल पंजीयन में उत्कृष्ट कार्य करने पर भोपाल जिले को प्रथम पुरस्कार मिला है। हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन में भी जिले को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीकी रूप से उन्नत बनाने एवं आमजन के लिए सुगम करने के उद्देश्य से हेल्थ फैसिलिटी एवं हेल्थ प्रोफेशनल पंजीयन किए जा रहे हैं।आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भोपाल जिले को ये पुरस्कार मिला है । जिले की ओर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल ने पुरस्कार ग्रहण किया। भोपाल जिले ने हेल्थ प्रोफेशनल और हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन में बहुत तेज गति से कार्य किया है। हेल्थ प्रोफेशनल्स में वे सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता शामिल हैं जो कि सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों में कार्य करने हेतु पंजीकृत हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले में बड़ी संख्या में शासकीय और निजी स्वास्थ्य संस्थाएं है और इनमें काफी अधिक संख्या में स्वास्थ्य सेवा प्रदाता कार्य करते हैं । इसके बावजूद भोपाल ने व्यापक संख्या में पंजीयन किए हैं । जिले में 767 स्वास्थ्य संस्थाओं का पंजीयन किया जा चुका है। इनमें अस्पताल, क्लीनिक, पैथोलॉजी , रेडियोलॉजी सहित सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की स्वास्थ्य संस्थाएं शामिल है।

गांधी जयंती पर भकुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुआ स्वच्छता दिवस कार्यक्रम

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्यातिथ्य में 2 अक्टूबर, गांधी जयंती के अवसर पर भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्टीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित स्वच्छता दिवस कार्यक्रम से भोपाल शहर की स्वच्छता, पर्यावरण सुरक्षा एवं स्वच्छता सेवाओं के विस्तार के लिये 43.39 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति उत्तम सुख-निरोगी काया के सिद्धांत में विश्वास करती है और स्वच्छता ही अच्छे स्वास्थ्य का आधार है। हमें स्वस्थ रखने के लिए स्वच्छता कर्मी प्राण-प्रण से समर्पित हैं। उनका कार्य चुनौती भरा और जीवटता वाला है, जैसे सेना का सिपाही देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों को कुर्बान कर देता है उसी प्रकार सफाई कर्मी, स्वच्छता और समाज को स्वस्थ बनाए रखने के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करते हैं। इसी का परिणाम है कि 19 सितम्बर को उज्जैन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु द्वारा स्वच्छता कर्मियों का सम्मान किया गया। राज्य सरकार स्वच्छता कर्मियों और उनके परिवारों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। यह कार्य सच्चे अर्थों में महात्मा गांधी के विचारों को क्रियान्वित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का माध्यम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगर निगम शासकीय सेवा में कर्तव्य पालन के दौरान दिवंगत 26 कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के प्रमाण पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने भोपाल नगर निगम के 125 नए डोर-टू-डोर सीएनजी वाहनों, 6 नए हुक लोडर, दो श्रेडर मशीन तथा एक लिटर पिकिंग मशीन का अवलोकन किया तथा मंच से झंडी दिखाकर उनका लोकार्पण किया।खेल एवं युवा कल्याण मंत्री ने कहा कि स्वच्छता ही समाज को स्वस्थ भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर करेगी। स्वच्छता सेवा पखवाड़े का उद्देश्य यही है कि सभी को स्वच्छता की आदत हो। स्वच्छता के कार्य में लगे स्वच्छता मित्रों के संरक्षण, संवर्धन और सम्मान की जिम्मेदारी समाज की है।

शासकीय विधि महाविद्यालय में साइबर सुरक्षा एवं वित्तीय साक्षरता विषय पर सेमिनार का आयोजन

पत्रकार बीआर अहिरवार। नर्मदापुरम शासकीय विधि महाविद्यालय एवं भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 26 सितंबर 2024 को वित्तीय साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में वित्तीय साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक श्री दीपेश कुमार श्रोत्रिय ,श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता एवं सहायक प्रबंधक श्री आदित्य जायसवाल द्वारा वक्तव्य दिए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर कल्पना भारद्वाज ने की एवम कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉक्टर अभिषेक सिंह, राजदीप सिंह भदोरिया एवं शिवाकांत मौर्य विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। सहायक प्रबंधक श्री आदित्य जायसवाल के द्वारा विद्यार्थियों को बताया गया कि किस प्रकार व्यवस्थित इन्वेस्टमेंट किया जा सकते हैं एवं बचत की जा सकती है ।मुख्य शाखा प्रबंधक जितेंद्र कुमार गुप्ता के दारा भारतीय स्टेट बैंक में सामाजिक सुरक्षा हेतु शासन के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्रदत्त की गई तथा क्विज के माध्यम से विद्यार्थियों में जागरूकता का प्रचार प्रसार किया गया। क्विज में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों को स्टेट बैंक की शाखा में आने वाले किसी भी प्रकार की समस्याओं के निवारण हेतु भी शाखा प्रबंधक श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता के द्वारा आश्वस्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की एलएल बी द्वितीय वर्ष की छात्रा नवीला कुरैशी के द्वारा किया गया। आभार श्री राजदीप सिंह भदोरिया के द्वारा दिया गया।

अतिथि शिक्षको ने उप तहसील में मांगों का निराकरण करवाये जाने के संबंध में ज्ञापन दिया

पत्रकार बीआर अहिरवार शाहगंज (बुदनी)। 2 अक्टूबर 2024 को अतिथि शिक्षकों पर हुए लाठीचार्ज व अतिथि शिक्षकों के मांगों का निराकरण करवाये जाने के संबंध में अतिथि शिक्षको ने शाहगंज उप तहसील परिसर में ज्ञापन दिया ज्ञापन में कहा गया कि 2 अक्टूबर 2024 को अतिथि शिक्षक अपने नियमितीकरण की मांगों को लेकर व 2 सितंबर 2023 को पूर्व मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान जी द्वारा अतिथि शिक्षकों की महापंचायत बुलाकर की गई घोषणाओं का आदेश जारी करवाने के लिए अंबेडकर पार्क भोपाल में चल रहे शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन में अहिंसा दिवस के दिन मध्य प्रदेश की मोहन सरकार के पुलिस कर्मियों द्वारा लाठीचार्ज किया गया। जिसमें मध्य प्रदेश के अतिथि शिक्षकों में रोश व्याप्त है। अगर अतिथि शिक्षकों के लंबित मांगों को 15 दिवस के अंदर निराकरण नहीं किया जाता है, तो अतिथि शिक्षक संघ प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश के समस्त अतिथि शिक्षक बिना किसी पूर्व सूचना के मुख्यमंत्री निवास का घिराव कर चक्का जाम करेंगे। जिसकी संपूर्ण जवाब देहि मध्य प्रदेश सरकार की होगी। इस ज्ञापन में समस्त अतिथि शिक्षक संकुल शाहगंज, डोबी, नादनेर, बक्तरा, जोनतला के अतिथि शिक्षक के प्रतिनिधि थे।

बालाघाट भरवेली पुलिस ने 60 लीटर महुआ शराब के साथ प्रताप को किया गिरफ्तार दीपक फरार

ज्ञानचंद शर्मा.

बालाघाट। पुलिस अधीक्षक नगेंद्र सिंह द्वारा अवैध मादक पदार्थ एवम् अवैध शराब का व्यापार करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही करने हेतू जिले भर के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन करने हेतू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डाबर के मार्गदर्शन में थाना भरवेली पुलिस ने शराब का अवैध व्यापार करने वाले व्यक्ति को विधिवत गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की हैं। भरवेली पुलिस को सोमवार को ग्राम गश्त के दौरान विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली की ग्राम धनसुआ के जंगल नाला किनारे कच्ची सड़क से आरोपी टीव्हीएस जूपिटर स्कूटर से अत्यधिक मात्रा में अवैध महुआ शराब बेचने के उद्देश्य से धनसुआ की ओर लेकर आ रहा है। थाना प्रभारी भरवेली एवम् उनकी टीम द्वारा तत्काल संभावित मार्गों में नाकाबंदी कर आरोपी प्रताप पिता शिवशंकर मरकाम उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम चिखलाझोड़ी थाना रूपझर हाल मुकाम ग्राम धनसुआ को हिरासत में लिया गया। आरोपी के कब्जे से प्लास्टिक की पन्नी में कुल 60 लीटर कच्ची शराब सहित घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल जप्त की गई हैं। आरोपी ने पूछताछ दौरान बताया कि वह ग्राम धनसुआ के ही दीपक नगपुरे के साथ मिलकर बेचने के उद्देश्य से जंगल में अवैध कच्ची महुआ शराब बनाना स्वीकार करने पर विधिवत गिरफ्तार किया गया। थाना भरवेली पुलिस ने अपराध क्रमांक 294/24 धारा 34(2), आबकारी अधिनियम के तहत् मामला दर्ज कर आरोपी प्रताप मरकाम को आज मंगलवार को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस द्वारा दूसरे आरोपी दीपक नगपुरे की तलाश पतासाजी की जा रही हैं।

स्व.श्री नर्मदादास जाटव पूर्व विधायक 3 अक्टूबर जयंती विशेष

मूलचन्द मेधोनिया वरिष्ठ पत्रकार भोपाल

जीवन परिचय - पिताश्री दामोदर दास और माताश्री मूलादेवी जी के तीसरे पुत्र नर्मदादास जी आप बाल्यकाल से ही माता-पिता के लाड़ले थे आपका जन्म 03 अक्टूबर 1918 को मध्यप्रदेश के जिला नरसिंहपुर में ग्राम बोहानी की धरती पर सामान्य एक कबीर पंथी परिवार में हुआ। 11 वर्ष की आयु में पहली कक्षा प्राथमिक शाला बोहानी में दाखिल हुए। 6वीं कक्षा बोहानी से 05 कि.मी. दूर स्थित प्राथमिक शाला कोड़िया से उत्तीर्ण की। 13 वर्ष की आयु में आपका विवाह ग्राम चिर्रिया निवासी श्री बांकेलाल खेमरिया की सुपुत्री ललिता देवी के साथ सम्पन्न हुआ। सदियों से जातिवाद, और सामाजिक भेदभाव द्वारा लादी गई गुलामी और गरीबी के साथ सन् 1939 में आपके पिता का निधन हो जाने के कारण शिक्षा 6वीं तक पा सके। विद्यार्थी जीवन में ही आजादी की लड़ाई में भूमिगत रहकर काम किया। कम आयु होने के कारण सत्याग्रह करने की कांग्रेस द्वारा आपको स्वीकृति नहीं मिली। करेली में सन 1942 में गांधी के आगमन के समय नर्मदा दास जी की अहम भूमिका रही और बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओ के साथ करेली पहुंचे थे। पिताजी के निधन उपरान्त अपने व अपने परिवार के जीवन यापन हेतु चार आने प्रतिदिन के हिसाब से महाराष्ट्र चरखा संघ की शाखा बोहानी में कपास पिंजाई, फैनी बनाना तथा बुनाई का कार्य सीखा। 1942 में रेल्वे तार काटे गये और रेल्वे लाइन की रखवारी में दिन-रात गिरते पानी में भीगते रहे क्योंकि वर्षाकाल का समय था। और हवालदार द्वारा बारिश में खड़े रहना और बुरी तरह मार मारना फलस्वरूप पैरों से दिव्यांग हो गए थे। हमेशा को शारीरिक शक्ति से कमजोर होने के बावजूद बोहानी सहित जिले के संपूर्ण ग्रामों में श्री रामसिंह चौहान (बेधड़क) जैसे नेता जिन्होने इस जिले को अंग्रेजी राज्य के खिलाफ जगाया था उनके साथ रहकर काम किया और समस्त समाज में क्रांति पैदा की। साथ ही सामाजिक सेवा का कार्य हाथ में लिया, समस्त दलित समाज में परम्परागत अंधविश्वास, अभक्ष एवं नशैली चीजों का सेवन तथा सवर्णों द्वारा बलपूर्वक मनवाई गई रीतियां, भाग्य भरोसे जीवन बिताना आदि कुप्रथाओं को समाज में घूम-घूमकर एवं सभा सम्मेलनों, शादियों में सारगर्भित भाषणों द्वारा त्याग कराया। वर्ण, जाति एवं धर्म को न मानना, भक्षक हिन्दू धर्म के साथ साथ वे बौद्ध, कबीर, रविदास मत को ज्यादा मानते थे तथा उनके द्वारा प्रचलित रक्षक मानव धर्म अंगीकार करने को लेख और कविताओं तथा उपदेश द्वारा सामाजिक क्रांति पैदा करना ही जीवन लक्ष्य बनाया, प्रीतभोज और मृत्युभोज न करने के लिये जनमत तैयार किया तथा बाल-विवाह के दुस्परिणामों को समाज को समझाकर बालक-बालिकाओं को शिक्षा पर जोर देने की सलाह दी। तथा समाज में व्याप्त नियमों, कायदों में अमूल्य परिवर्तन किया है जो सामाजिक कार्यों में एक ऐतिहासिक कदम साबित हो रहा है, उन्होंने जाटव नव जागृति संघ बनाया जिसमें संपूर्ण मध्यप्रदेश में जाटव जागृति के लिए कार्य किया तथा संघ के माध्यम से बनाये गये सामाजिक नियम अलग से मुद्रित हैं।

स्व. श्री नर्मदा दास जी जाटव (पूर्व विधायक, बोहानी

जन्मत शूद्र मरे पुनि शूद्रा,
कृत्रिम जनेऊ घाल जग घुन्द्रा।

सत्गुरु कबीर साहेब के कथनानुसार, जन्म से सब शूद्र हैं और मरने पर भी, ब्राह्मणत्व कृत्रिम जनेऊ संस्कार करने से आ जाता है। अतः पुरानी पद्धति द्वारा जाति भेद, वर्ण भेद किसी भी दशा में न माने जातियां कर्मानुसार बनी हैं, मानव-मानव समान हैं, ऊँच-नीच का झगड़ा व्यर्थ है। विनोबा भावे के भूमिदान आंदोलन को जिलें में (पैरों से दिव्यांग होते हुए भी) सफल बनाने हेतु महीनों पैदल यात्रा कर सैंकड़ो एकड़ भूमि भूमिहीनों में वितरण की, मकर संक्राति के मेला बरमान घाट पर अलग-अलग पांच सम्मेलन किए, साथ ही रवि महासंघ जबलपुर जिला शाखा के अध्यक्ष, अन्तयोदय महामंडल के सचिव हरिजन सेवक संघ इन्दौर, इंटक उज्जैन जैसे संघ-संगठनों से जुड़कर सामाजिक उत्थान का कार्य करते रहे तथा प्रदेश के मंत्री गणेशराम अनंत, वेदराम जी, चर्तुभुज पाठक, श्याम सुन्दर नारायण मुशरान, आनंद नारायण मुशरान, सरलादेवी पाठक, बाबूलाल जैन, किशोरी लाल जी ज्योतिषी सागर, रामानंद दुबे रामपुर, चन्द्रशेखर आजाद, रामलाल जाटव कोठिया, हरिदत्त शर्मा हर्रई हवेली, सुन्दरलाल श्रीधर बोहानी, नाथूराम चौकसे बोहानी, बाबूलाल वर्मा बोहानी, सहित अनेको नामी व्यक्तियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सामाजिक उन्नति के कार्य करते रहे। आपके दलित समाजो के उत्थान कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए दिसम्बर सन् 1957 में नरसिंहपुर जिला अलग होने से जनवरी 1957 में द्विसदस्सीय सीट गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े और जीते। विधायक काल में क्षेत्रीय जनता की मन-वच-कर्म से सच्ची सेवा की, जिसमें गाडरवारा शक्कर नदी का ब्रिज, करपगांव स्कूल, जनपद चावरपाठा, सिंहोरा बोहानी स्कूल, राघव कृषि विद्यालय उनके ही प्रयास से बोहानी में बना, अनेकों गांवो में आवास दिलवाए, बाल शिक्षा मंदिर खुलवाए, ककरा घाट ब्रिज उनकी सोच थी जिसका निर्माण बाद में हुआ। उन्होंने सन् 1962 में पुनः कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े और की जाति भेद रूपी संकुचित भावना की वजह चुनाव हार गये, गरीब थे और चुनाव हारने से और गरीब हो गये। तब से दिसम्बर 1989 तक कांग्रेसी रहकर इंदिरा गांधी जी के बीस सूत्रीय कार्य क्रमांतर्गत 16 वर्ष जिला बीस सूत्रीय समिति के सदस्य रहे। मार्च 1981 में शासन द्वारा मान्यता प्राप्त जाटव नव जाग्रति संघ मध्यप्रदेश (रजि.क्र.9999) जिला नरसिंहपुर के अध्यक्ष रहे एवं 13 वर्ष ग्राम पंचायत बोहनी के सदस्य भी रहे।

कबीर पंथी होने के नाते सामन्ती व्यवस्था, का जन्म जाति विरोधी थे और अंतिम सांस तक सक्रिय रहने का प्रयास जारी रहा। दलित समाज में परम्परागत व्याप्त दुखदाई रीतियों के स्थान पर हर संभव सुखदाई रीतियां प्रचलित कराने के फलस्वरूप अंधविश्वासी लोगों द्वारा विरोधाभास होने करने पर भी मान-सम्मान, पद इज्जत की परवाह नहीं की, समाज के नम्र सेवक की हैसियत से समाज स्वस्थ्य, सुखी एवं सशक्त और संगठित कर हर प्रकार के अत्याचार और शोषण के मुकाबले बुलंद आवाज से करने कराने का दृढ़ निश्चय लिये समाज के लिये लड़ते रहे। जिले की गरीब, दलित समाजों के उत्थान व विकास में अनेक राजनैतिक मतभेद होने के उपरान्त आपने कांग्रेस पार्टी का परित्याग कर दिया। भारतीय संविधान शिल्पी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के मिशन को देश व्यापी आंदोलन को चलाने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय कांशीराम जी द्वारा स्थापित राजनैतिक बहुजन समाज पार्टी ने आपको नरसिंहपुर जिले में ब.स.पा. का संयोजक अपने उद्बोदन में निरुपित किया। आप बचपन से संगीत के बड़े प्रेमी थे, यह शिक्षा आपको विरासत के रूप में मिली सभी प्रकार का गाना बजाना आपका शौक था आप संगीत के वाद्ययंत्रों पर कुशलतापूर्वक गायन तथा वादन कर लेते थे नाटक-नौटंकी के माध्यम से अनेको बार कुशलतापूर्वक मंचन किया। इसी भावना के साथ सन् 1988 को संत शिरोमणि रविदास जी की संगीतमयी जयंती की शुरूआत कर समाज को संगठन में रहने की प्रेरणा दी, जो वर्तमान में जिला स्तर पर बड़े हर्ष के साथ प्रतिवर्ष मनाई जाती है। नर्मदादास जी का सम्पूर्ण जीवन समाज में एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में व्यतीत हुआ ऐसा बिरला मानव देखने में मिलेगा जो अपना सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा में लगा दे निश्चत ही नर्मदादास जी नरसिंहपुर जिले में सामाजिक परिवेश के बदलाव में एक क्रांतिकारी बतौर रहे। इन्होनें अपने जीवन काल में किसी भी प्रकार की आपत्ति, विपत्ति, संकटों, मुसीबतों की परवाह नहीं की और वरन अगाध रूप से अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु एक वीर सैनिक की भांति कार्य करते रहे अनेको मुसीबतों से गुजरने के बाद एक नये साहस एवं ऊर्जा से ओत-प्रोत रहकर कार्य करते रहे। 05 सितंबर 2001 दिन बुधवार का बड़ा ही दुखद दिन था उस दिन हमारे प्रेरणास्त्रोत हम सब को छोड़कर इस दुनिया से हमेशा-हमेशा के लिए अलविदा कह गए। उनका अंतिम संस्कार शासन स्तर से राजकीय शोक के साथ किया गया।

श्रोत - (मुकेश चौधरी द्वारा लिखित किताब क्रांतिदुत)

सन 1942 के अंग्रेजों भारत छोडों आंदोलन में योगदान देने वाले वीर मनीराम अहिरवार जी को शहीद सूची में दर्ज करने हेतु जांच आयोग गठित किया जाये : गोपीलाल भारतीय

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

ग्वालियर। बाबू जगजीवन राम समता आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ग्वालियर चंबल संभाग के प्रमुख समाजसेवी जो कि दलित, आदिवासी और पिछड़ों के शुभचिंतक होने के साथ सर्वहारा वर्ग की आवाज उठाने के लिए समर्पित भाव से कार्यरत है। जिन्होंने मध्यप्रदेश सरकार सहित भारत सरकार से अपील करते हुए मांग की है कि वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा हेतु एक जांच आयोग गठित किया जाये। श्री भारतीय जी ने उक्ताशय में प्रेस के माध्यम से बताया है कि हमारे अनुसूचित जाति वर्ग के अनेक क्रांतिकारियों ने महात्मा गॉंधी जी के इस आंदोलन से प्रभावित होकर अंग्रेजों के विरुद्ध अपनी जान की बाजी लगाकर अनेकों स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ज्ञात अज्ञातों ने कुरबानी दी है। जिन्हें इतिहास में उजागर तक नहीं किया और न ही कोई सम्मान अभी तक दिया है। ऐसे ही महान क्रांतिकारी वीर मनीराम जी थे जो कि मध्यप्रदेश के जिला नरसिंहपुर नगर चीचली गोंडवाना राज्य के राजा श्री शंकर प्रताप सिंह जू देव के राजमहल सेवादार थे। जिनके द्वारा चीचली नगर के गोंड राजा को लूटने आने पर शूरवीर मनीराम अहिरवार जी ने अपने अदम्य साहस के बल पर अकेले ही मोर्चा संभाल कर अंग्रेजों से युद्ध किया। अपने सीने पर अंग्रेजों ने अनेक गोली चलाकर मनीराम को रास्ते से हटाने का प्रयास किया। लेकिन निडर निर्भिक मनीराम जी युद्ध में डटे रहे। अंग्रेजों की गोली से अमर शहीद वीर मंशाराम जसाटी जी वीरगति को प्राप्त हुये।जिनकी मौत होने पर मनीराम बहुत ही गुस्से में आ गयें। उन्होंने अपने सीने से कपड़े उतार कर फेंक कर अंग्रेजों को ललकार कि तुम्हारी दम है तो मेरे सीने पर गोली चलाओं, उन पर निशाना बनाते हुये पुनः गोली चलाई गयी। जो बहादुर वीर मनीराम को न लग पास में खड़ी गोरादेवी को लगी। उन्होंने भी युद्ध स्थल पर अंतिम सांस ली। इस प्रकार वीर मनीराम के अंग्रेजों के मध्य चले युद्ध में दो जान मात्रभूमि के लिए कुरबान हुई। मनीराम ने अंग्रेजी सेना को युद्ध में परास्त कर पत्थरों से लहूलुहान कर गांव से खदेड़ कर विजय हासिल की। बेहद अफसोस कि बात यह है कि इतना बड़ा संघर्ष करने वाले वीर मनीराम इतिहास के पन्नों से नदारद है। बाद में अंग्रेजी सेना पुनः चीचली आकर कुछ लोगों को अपने साथ गिरफ्तार कर ले गये। लेकिन मनीराम जी राजमहल ही भूमिगत होकर गोंड महल की सुरक्षा करते रहे। लोगों की चुगलखोरी के माध्यम से मनीराम को गुप्त रूप में पकड़ा गया। जिनकी गिरफ्तारी किसी भी प्रकार से रिकार्ड में दर्ज इसलिए नही की कि अंग्रेजों द्वारा गोंड महल की आंतरिक और अन्य जानकारी लेना चाहते थे। अंग्रेजों ने बहुत प्रयत्न किया कि महल की जानकारी मिलें। वही मनीराम को लोभ लालच दिया कि तुम अपनी समाज के लोगों को हमारी सेना में भर्ती करों तुम्हें सेनापति बनाने का बोला गया। लेकिन स्वाभिमानी मनीराम ने अंग्रेजों की कोई शर्त नहीं मनी, जिन्हें अंग्रेजों ने अपनी ही गुप्त जेल में दफन कर दिया। ऐसे महान क्रांतिकारी वीर मनीराम अहिरवार जी के सम्मान को लेकर बाबू जगजीवन राम समता आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोपीलाल भारतीय ने भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार से अपील की है कि शीघ्र वीर मनीराम अहिरवार जी के आजादी में दिये गये आंदोलन को देखते हुए एक जांच कमेटी आयोग गठित किया जाये। जिसमें अनुसूचित जाति के वरिष्ठ बुद्धिजीवी, शोधकर्ताओं, साहित्यकार, पत्रकार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और शासकीय सेवा निवृत्त अधिकारी को आयोग में शामिल कर भूले बिसरे शहीदों व मनीराम जी को अविलम्ब सम्मान दिया जाये। गौरतलब हो कि देश के आजादी अमृत महोत्सव के दौरान अनेकों शोधकर्ताओं , साहित्यकारों, पत्रकारों के माध्यम से वीर मनीराम जी की वीर गाथा सामने आने पर मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने अपने सोशल मीडिया साइट के माध्यम से नाम उजागर कर नमन किया। इसके उपरांत भी शहीद मनीराम अहिरवार को सम्मान न देना अनुसूचित जाति वर्ग की उपेक्षा है। अतः सरकार इस विषय को तत्काल गंभीरता से विचार कर एक आयोग का गठन करें।

1942 के भारत छोड़ो आंदोलन मे, म प्र के श्री मनीराम अहिरवार सहित अन्य दलित ,ज्ञात/अज्ञात हुए शहीदों की पहचान एवं सत्यापन हेतु शासन को एक जांच आयोग गठित कर उन्हें शहीद का दर्जा दिया जाना चाहिए,

मध्यप्रदेश जिला नरसिंहपुर के नगर चीचली में आजादी के महान क्रांतिकारी वीर मनीराम अहिरवार के योगदान को, लेकर सरकार जांच आयोग गठित करें।

श्री गोपीलाल भारतीय राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू जगजीवन राम समता आंदोलन, भारत

अहिरवार समाज संघ ने जिला महिला अधिवेशन कर वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद दर्जा की मांग लेकर सौंपा ज्ञापन

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

गाडरवारा। जिला नरसिंहपुर की अनुसूचित जाति के अंतर्गत अहिरवार समाज एक बड़ी कौम है। जिस समाज के चीचली निवासी अमर शहीद वीर मनीराम जी अहिरवार समाज ही नही समुची बिरादरी के महान गौरव थे। जिन्होंने महात्मा गाँधी जी के द्वारा अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तथा देश की मातृभूमि के लिए जान न्यौछावर किया था। वीर मनीराम अहिरवार जी गोंडवाना राजा श्री शंकर प्रताप सिंह जू देव के राजमहल के सेवादार थे। सन 1942 में अंग्रेजी सेना के जवान गोंड महल के लिए लूटपाट कर ने महल पर कब्जा करने के उद्देश्य से चीचली आये थे। जिनसे वीर बहादुर मनीराम जी ने युद्ध किया और उन्हें महल तक नही आने देने उन्हें पत्थर मार के लहूलुहान कर गाँव से खदेड़ दिया था। ऐसे वीर मनीराम अहिरवार जी जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगा कर गोंडवाना राजा का महल सुरक्षित रखने व गाँव के नागरिकों की रक्षार्थ अंग्रेजी सेना से युद्ध में विजय श्री प्राप्त की। ऐसे महान क्रांतिकारी व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम शहीद/सेनानी की सूची में सम्मिलित है। जिसको लेकर समस्त बिरादरी में नाराजगी और रोष व्याप्त है। जातिवाद व छोटी मानसिकता के चलते अनुसूचित जाति के महान क्रांतिकारी को सम्मान नही दिया है। अहिरवार समाज संघ ने जिला स्तरीय महिला अधिवेशन गाडरवारा में श्री कुटी गार्डन में विशाल सामाजिक महिला और पुरुषों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास कर एक ज्ञापन भारत के महामहिम राष्टपति जी के नामित तैयार कर गाडरवारा अनुविभागीय अधिकारी जी को सौंपा गया है। जिसके दौरान मांग की है कि अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को शहीद का राष्टीय दर्जा प्रदान किया जाये। तथा समाज के द्वारा साफ तौर से शासन/प्रसाशन से मांग रखी है कि वीर मनीराम जी के आजादी के योगदान हेतु एक जांच कमेटी बना कर आयोग गठित किया जाये। ताकि हमारे महापुरुष का भी सम्मान मिलें। दस सूत्रीय बिन्दु का, ज्ञापन सौंपा गया है। जिसमें सैकड़ों महिला व पुरुषों ने हस्ताक्षर किए है। ज्ञापन पत्र समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री शयाम सिंह चौहान जी एवं अहिरवार समाज युवा नेता श्री विनोद मांडले जी ने अनुविभागीय अधिकारी गाडरवारा को दिया।

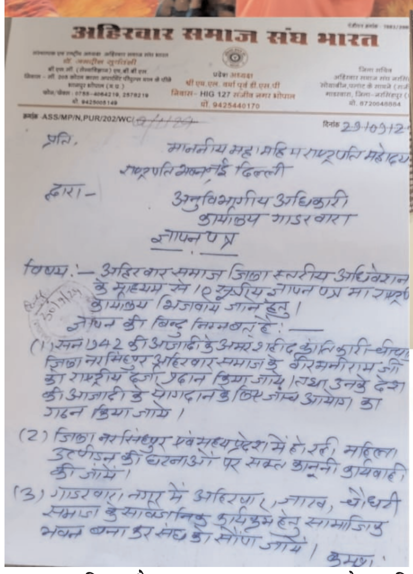

अमर शहीद वीर मनीराम जी के सम्मान में अहिरवार समाज मैदान में

वन परिक्षेत्र गढी मे कार्यशाला

सर्प पकड्ने एवं वन्यपाणी रेस्क्यू को लेकर दिया पशिक्षणा

गढी। वनपरिक्षेत गढी और बफर जोन के सभाकक्ष मे गुरुवार को सर्प पकडने एवं वन्य पाणियो का सुरक्षा पूर्वक रेस्क्यू करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया इस कार्यशाला मे पशु चिकित्सा अधिकारी कान्हा टाईगर रिजर्व डॉ संदीप अगवाल की उपस्थित मे मनीष कुलश्रेष्ठ वाईल्ड लाईफ एंव टाईगर कन्वेंशन जबलपुर ने विस्तार से जानकारी दी रेस्क्यू के विभिन्न उपकरणो का उपयोग का अभ्यास कराया गया पशिक्षण सह कार्यशाला मे रेजर आकाश जैन धर्म मोतीनाला फेन राजकुमार सोनी कैलाश बामनिया जीएल चौधरी गुरुदयाल साहू कर्मचारी एव श्रमिक उपस्थित रहे पशिक्षण के बाद समस्त अधिकारी कर्मचारी एव श्रमिको को वाईल्ड लाईफ एड स्नेक रेस्कयू एक्पर्ट टीम ने पमाण पत्र पदाय किया।

करंट से झुलसा वानर लोगो ने मदद कर पहुंचाया अस्पताल

ज्ञानचंद शर्मा बालाघाट

कटंगी। शहर के बस स्टैंड मे स्थित बिजली टासफामर के करंट दौड़ते तारो मे गुरुवार की सुबह 11बजे एक वानर बुरी तरह झुलस गया बस स्टैंड मे मौजूद लोगो की भीड जमा हो गई सभी वानर की मदद के लिए चिंतित नजर आए बुरी तरह करंट से झुलस जाने के बाद बेसुध वानर टासफामर के खंभे पर ही बैठा रहा इसी दौरान वानर अनियंत्रित होकर खंभे से नीचे गिर गया गनीमत किसी तरह के खंभे से नही टकराया वरना वानर की मौत हो सकती थी गिरने के बाद वानर की मदद करने लोग तुरंत दौडे जिन्न होने बिजली विभाग और नगर षरिषद को सूचना दी वन विभाग के डिप्टी रेजर कातिलाल उके ने तत्काल फरेस्ट गाडं अतुल कंगाली और अन्य सहायक को भिजवाया लोगो की मदद से वानर को मवेशी अस्पताल पहुंचाया गया उसका पाथमिक उपचार किया गया बेसुध हो चुके वानर को कुछ देर बाद स्वस्थ होने पर वन विभाग के कर्मचारी ने जंगल मे छोड दिया।

मेरा सपना: स्वच्छ सुंदर हो भारत अपना

अक्टूबर 2024, भावना मंगलमुखी, मुंबई

साथियों वैसे तो स्वच्छता और सुंदरता हमारे जीवन और दिनचर्या का अभिन्न व अहम हिस्सा है लेकिन चूंकि विगत कुछ वर्षों से गांधी जयंती के अवसर पर भी स्वच्छता अभियान की एक औपचारिकता के साथ सेल्फी के दिखावे का प्रचलन भी बढ़ा है इसलिए स्वच्छता और सुंदरता के इस विषय को ठीक से समझना भी हम सभी के लिए थोड़ा आवश्यक हो जाता है। चूंकि अधिकांश लोग स्वच्छता और सुंदरता का मतलब सिर्फ शारीरिक और आसपास की साफ़ - सफाई और सौंदर्य से ही समझते हैं जबकि स्वच्छता एवं सुंदरता एक बहुत ही व्यापक और पावन संकल्पना है। स्वच्छता और सुंदरता से अभिप्राय तन, मन, वचन, कर्म की शुभ्रता और सुचिता से है। निज शरीर की स्वच्छता व सुंदरता और अपने आसपास की स्वच्छता व सौंदर्य तो सबसे आधारभूत तो है ही लेकिन यह तो सबसे निम्न स्तर की स्वच्छता एवं सुंदरता मात्र है जबकि अपने मन को निर्मल तथा विचारों को पवित्र बनाना ही स्वच्छता व सुंदरता का अंतिम सोपान होता है और यही हम सभी का प्रथम उद्देश्य भी होना चाहिए।

व्यक्तिगत स्तर से घर/परिवार, आस - पड़ोस, गाली - मौहल्ला, गांव, शहर, जिला, प्रदेश, राष्ट और संपूर्ण सृष्टि के सुंदर स्वरूप की संकल्पना स्वच्छता व सुंदरता के विभिन्न सोपान है।

स्वच्छता व सुंदरता के विभिन्न आयाम इस प्रकार हैट्ट

(1)**तन की स्वच्छता व सुंदरता-** इसमें नियमित स्नान, कपड़े भले नए न हो तो भी कोई बात नहीं लेकिन साफ़ - सुथरे धुले हुए हो, बाल - नाखुन इत्यादि की नियमित देखभाल एवं आवश्यक कटाई आदि सम्मिलित है।

(2)**मन की स्वच्छता व सुंदरता-** इसमें मन के षड्विकार यथा लोभ, मोह, काम, क्रोध, ईर्ष्या व शत्रुता की भावना को रखा जा सकता है।

(3)**वाणी की स्वच्छता व सुंदरता-** किसी की निंदा करना, किसी की चुगली करना, किसी को गाली देना या अन्य ऐसा वचन बोलना जिससे किसी के दिल को ठेस पहुंचे। इन सबका परहेज़ कर मन को विकारविहीन बनाना ही मन की स्वच्छता व सुंदरता कहलाती है।

(4)**कर्म की स्वच्छता व सुंदरता-** मन के छह तथा वाणी के चार और शरीर के समस्त विकारों को अपने भौतिक शरीर से प्रस्तुत करने से बचना ही कर्म की स्वच्छता व सुंदरता है।

(5)**विचार की स्वच्छता व सुंदरता-** वैसे तो विचार की स्वच्छता व सुंदरता ही हमारे तन, मन, वचन और कर्म की स्वच्छता व सुंदरता को प्रभावित करती है। लेकिन विचारों की स्वच्छता व सुंदरता भी हमारे खान - पान की प्रकृति और हमारी संगति पर निर्भर करती है, जैसेट्ट

जैसा आहार वैसा ही विचार।
जैसा विचार वैसा व्यवहार।।
जैसा पानी वैसी ही वाणी।
जैसी वाणी वैसा विचार।।

(6)**धन की स्वच्छता व सुंदरता-** सदैव ईमानदारी व हिंसा रहित कमाई करना धन की स्वच्छता है तो आवश्यक, उचित व उपयुक्त दान और परोपकार धन की सुंदरता के परिचायक है। वहीं दो नंबर की काली कमाई, चोरी, लूटपाट, रिश्वत, भ्रष्टाचार इत्यादि धन की स्वच्छता व सुंदरता के प्रतिकारक हैं।

(7)**नैतिक स्वच्छता व सुंदरता-** किसी भी प्रकार का नशा/हिंसा करना, झूठ, फरेब, जुमलेबाजी, फर्जी आश्वासन, भेदभाव, पक्षपात तथा दोगलापन, चोरी, डकैती, फिरौती, हत्या, रिश्वत, भ्रष्टाचार आदि भी हर प्रकार की स्वच्छता व सुंदरता का खुल्ला उल्लंघन एवं मजाक मात्र है। इन सबसे से बचना ही नैतिक स्वच्छता व सुंदरता है।

(8)**दृष्टिकोण की स्वच्छता व सुंदरता -** सदैव ही किसी भी संदर्भ में सकारात्मक तरीके से सोचना ही दृष्टिकोण की स्वच्छता व सुंदरता है।

(9)**लोकतांत्रिक स्वच्छता व सुंदरता-** लोकतांत्रिक स्वच्छता में भ्रष्ट, लूटेरे, मक्कार, निकम्में,जुमलेबाज, ढोंगी, पाखंडी नेताओं के चुनाव पर पाबंदी तथा लोकतांत्रिक सुंदरता में पक्ष और विपक्ष में बेहतर सामंजस्य के साथ सदन में सार्थक चर्चा और बेहतर क्रियान्वयन और प्रेरणादायी उपलब्धियों को रखा जा सकता है।

स्वच्छता के विभिन्न सोपान इस प्रकार है

(1)**व्यक्तिगत स्वच्छता व सुंदरता-** यह स्वच्छता और सुंदरता सिर्फ़ अपनी व्यक्तिगत तन, मन, वचन, कर्म तथा विचार की स्वच्छता और सुंदरता की सूचक है।

(2)**घर/परिवार की स्वच्छता व सुंदरता -** इसमें घर की सजावट और सौंदर्य से लेकर परिवार के समस्त सदस्यों की व्यक्तिगत स्वच्छता व सुंदरता को रखा जा सकता है।

(3) **सोसायटी की स्वच्छता व सुंदरता-** इसमें बहुत से घरों और परिवारों से बनी संपूर्ण सोसायटी के समस्त घरों और परिवारों के प्रत्येक सदस्य की व्यक्तिगत स्वच्छता व सुंदरता और परिवेश की स्वच्छता व सुंदरता को भी रखा जा सकता है।

(4) **गांव/ शहर की स्वच्छता व सुंदरता-** इसमें गांव/शहर में विद्यमान समस्त सोसायटियों की स्वच्छता व सुंदरता के साथ - साथ गांव/शहर के समस्त सार्वजनिक स्थलों यथा स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक भवन, उद्यान, खेल का मैदान, तालाब, सड़कें, खेत, गोचरभूमि, वन, पशु, पेयजल व्यवस्था, नालियों की निकासी इत्यादि की स्वच्छता व सुंदरता को सम्मिलित किया जा सकता है। इसी प्रकार गांव/शहर से खंड, जिला, प्रदेश, राज्य और राष्टीय स्तर पर भी स्वच्छता और सुंदरता की संकल्पना कर और उसमें जिम्मेदारियों का विकेंद्रीकरण और क्रियान्वयन करते हुए स्वच्छ व सुंदर भारत के स्वर्णिम स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

स्वच्छ व सुंदर भारत के स्वर्णिम स्वप्न को साकार करने हेतु कुछ सुझाव इस प्रकार है

नागरिकों के लिए-

* नियमित स्नान करे और स्वच्छ कपड़े पहने।
* अपने बाल - नाखुन इत्यादि की उचित देखभाल करे तथा आवश्यकता होने पर कटवाते रहे।
* अपने मन के विकारों यथा लोभ, मोह, काम, क्रोध, ईर्ष्या व शत्रुता की भावना पर संयम व अंकुश रखे।
* अपने आपको सदैव अच्छे कार्यों में व्यस्त रखे क्योंकि खाली दिमाग शैतान का घर होता है।
* अपने घर और आसपास की नियमित साफ़ - सफ़ाई करे।
* अपने पालतू प्राणियों की स्वच्छता व सुंदरता का ख्याल रखे।
* अपने परिवेश में पर्याप्त पेड़ - पौधे भी लगाए और उनका संरक्षण तथा संवर्धन भी करते रहे।
* सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता व सुंदरता का भी ख्याल रखे।
* यथासंभव प्रकृति के विभिन्न घटकों यथा पहाड़, नदी, तालाब, पेड़ - पौधे, जीव - जंतु, वन्य प्राणी इत्यादि को कोई क्षति न पहुंचाएं या उन्हें विरूपित करने का अनायास प्रयास भी बिल्कुल न करे।

सरकारों के लिए

(1)**जागरूकता व प्रोत्साहन -** सरकारें स्वच्छता व सुंदरता के संदर्भ में सभी नागरिकों को जागरूक तथा प्रोत्साहित करे।

(2)**संरचनात्मक सुधार -** प्रत्येक छोटी/ बड़ी बस्ती में शुद्ध पेयजल तथा नालियों की निकासी की व्यवस्था करे तथा उनकी देखरेख हेतु जिम्मेदारी और क्रियान्वयन की निगरानी करे।

(3)सार्वजनिक स्थलों की उचित देखभाल व रखरखाव - सार्वजनिक स्थानों यथा स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक भवन, उद्यान, खेल के मैदान, इत्यादि की नियमित देखभाल और रख - रखाव का बेहतर प्रबंध करे।

(4)**राष्टीय वानिकी अभियान-** इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक गांव/ ढाणी की अकृषि भूमि पर वृक्षारोपण, संरक्षण व संवर्धन अभियान चलाए जाए और उनके क्रियान्वयन की समीक्षा भी की जाती रहे।

(5)**आवारा पशु प्रबंधन-** सभी आवारा पशुओं के लिए गौशाओं की भांति उचित व्यवस्था की जाए।

(6)**वन्य जीव संरक्षण-** सभी वन्य जीवों के शिकार को प्रतिबंधित किया जाए।

(6)**जैव विविधता संरक्षण-** इसके अंतर्गत विलुप्त हो रहे पेड़ - पौधों, पशु - पक्षियों और वन्य जीवों को संरक्षण प्रदान करने हेतु वन्य जीव अभयारण्य, राष्टीय उद्यान आदि की संख्या बढ़ाई जाए और उनमें व्याप्त विसंगतियों को दूर किया जाए।

(7)**सांस्कृतिक विविधता संरक्षण-** इसके अंतर्गत सरकार को हर वर्ग समुदाय की अपनी सांस्कृतिक पहचान यथा उनकी भाषा, बोली, वेशभूषा, धार्मिक स्थल तथा विचारों की अभिव्यक्ति को संरक्षण प्रदान करना चाहिए।

मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के फार्मासिस्ट प्रकोष्ठ भोपाल द्वारा

अतरसिंह भारतीय के मंच संचालन में मनाया विश्व फार्मासिस्ट दिवस

मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष संजय जैन द्वारा क्यूआर कोड का उद्घाटन किया गया

भोपाल। मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ फार्मासिस्ट प्रकोष्ठ जिला भोपाल द्वारा 25 सितंबर 2024 को रियल ड्रग एक्सपर्ट के नाम से जो क्यूआर कोड जनरेट किया गया है। उसमें व्हाट्सएप के माध्यम से एक ऑटोमैटिक मैसेज हितग्राही को मिलेगा व संबंधित फार्मासिस्ट मरीज द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब देगा। जिससे कि मरीज को दवाइयाँ समझने में आसानी होगी। हितग्राही को दवाइयों से संबंधित समस्या का समाधान उपलबध फार्मेसिस्ट द्वारा किया जाएगा। मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ फार्मासिस्ट प्रकोष्ठ भोपाल द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर संगीतमय अयोजन किया गया। फार्मासिस्ट को शपथ दिलाई गई। राष्ट्गान गाया। जिसमें फार्मासिस्ट के संयोजक जय सिंह पटेल, विनोद कनोडिय, आकांक्षा शुक्ला, ललिता साहू, निकिता लेख पांडे, मनीष मेहरा, सुभाष चौरासे आदि सहित कई जिलों से फार्मासिस्ट उपस्थित रहे।

संगम नगरी में कवि संगम त्रिपाठी का सम्मान

प्रयागराज – अवध साहित्य अकादमी पत्रकार भवन गॅधियांव करछना प्रयागराज ने कवि संगम त्रिपाठी को साहित्य विभूति सम्मान 2024 से सम्मानित किया। सम्मान समारोह 21 सितंबर 2024 को हिन्दुस्तानी एकेडमी सभागार सिविल लाइन्स प्रयागराज उत्तर प्रदेश में भव्य समारोह में कार्यक्रम संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि आचार्य ओम नीरव वरिष्ठतम साहित्यकार लखनऊ उत्तर प्रदेश, अध्यक्षता - कुशलेन्द्र श्रीवास्तव वरिष्ठ साहित्यकार गाडरवारा मध्यप्रदेश व अति विशिष्ट अतिथि डॉ शंभु नाथ त्रिपाठी अंशुल व शीलधर मिश्र रहे। इस भव्य समारोह में श्याम फतनपुरी - श्याम की गीतिकाए व श्याम की मधुशाला, डॉ कैलाश नाथ मिश्र - महमहाती गीतिकाए, पंकज बुरहानपुरी - तुम होते तो, शिक्षाप्रद कहानियों का संकलन - संपादक सर्वेश कान्त वर्मा सरल विश्वनाथ त्रिपाठी - राधा माधव, डॉ सतीश चन्द्र मिश्र - यत्र तत्र सर्वत्र व मां की छाया में, डॉ योगेंद्र कुमार मिश्र विश्वबंधु आसपास लघुकथा संग्रह व उद्गागार देह मुक्तक संग्रह एवं सोलह नई कहानियां साझा काव्य संग्रह का विमोचन हुआ। डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय प्रयागराज उत्तर प्रदेश के संचालन में सम्मानित किए गए कवि संगम त्रिपाठी को सोमनाथ शुक्ल, विजय शुक्ल, डॉ विजयानन्द, राम लखन गुप्ता, डॉ अजय मालवीय बहार इलाहाबादी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

शासकीय वीर सावरकर महाविद्यालय औबेदुल्लागंज में ज़िला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददता हल्केवीर की न्यूज़

उदयपुरा। शासकीय वीर सावरकर महाविद्यालय औबेदुल्लागंज में मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2024-25 हेतु ज़िला स्तरीय पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें औबेदुल्लागंज,उदयपुरा,गैरतगंज,बेगमगंज,मंडीदीप,बरेली, सिल वानी,रायसेन के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के मुक़ाबले में औबेदुल्लागंज ने उदयपुरा को हराकर तीसरी बार विजेता बनकर हेट्रिक लगाई। औबेदुल्लागंज की क्रीड़ा अधिकारी डॉ.सुमित सिंह ने बताया सभी खिलाड़ियोंमें खेल भावना का परिचय दिया एवं अच्छे खेल का प्रदर्शन किया खेल समाप्ति के पश्चात खिलाड़ियों का ट्रायल भी रखा गया सभी मुक़ाबलों एवं ट्रायल के आधार पर आगे संभाग स्तर प्रतियोगिता हेतु दल का चयन किया जाएगा।

उदयपुरा सीनियर बालक एवं जनजाति महाविद्यालय छात्रावास में गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन।

संवाददता हल्केवीर की न्यूज़

उदयपुरा। 2 अक्टूबर को सीनियर बालक एवं जनजाति महाविद्यालय बालक छात्रावास में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। छात्रावास अधीक्षक श्री बैजनाथ इमने जी के मार्गदर्शन में छात्रावास के छात्रों ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया और छात्रावास परिसर एवं उसके आसपास के क्षेत्रों की सफाई की इस दौरान पौधारोपण भी किया गया।

आयोजन का उद्देश्य छात्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और महात्मा गांधी के स्वच्छता एवं अहिंसा के संदेश को आत्मसात करना था। छात्रावास अधीक्षक ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला और महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े उदाहरणों का उल्लेख किया। इसके बाद छात्रों ने छात्रावास परिसर, कक्षाओं और उसके आस-पास की जगहों को साफ-सुथरा बनाने के लिए श्रमदान किया। छात्रों ने न केवल छात्रावास के अंदर, बल्कि परिसर के बाहर भी सफाई अभियान चलाया। उन्होंने प्लास्टिक कचरे को एकत्र कर उसका उचित निस्तारण किया और लोगों को भी साफ-सफाई बनाए रखने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। यह कार्यक्रम छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति समर्पण की भावना को विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

सक्रिय सहभागिता ही ग्राम विकास का आधार बनेगी : मंत्री श्री पटेल

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में सभी लोगों को आना चाहिये। गांव के विकास व गांव के उत्थान के लिए ग्रामसभा में जरूर जायें। गांव के विकास में जो पैसा लगाया गया है, उसका सुनियोजित तरीके से प्रबंधन हो। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। यह बात मंत्री श्री पटेल ने करेली विकासखंड के ग्राम पिपरिया में आयोजित ग्राम सभा में कही। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ से लाभान्वित भी किया गया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम सभा अपने क्षेत्र में अपने सदस्यों के हितों, पर्यावरण में सुधार और स्थानीय रोज़गार बढ़ाने के लिए कार्यक्रम बनाती है। लोगों की भागीदारी के माध्यम से ग्राम स्वराज प्राप्त करना है। ग्राम सभाएं केवल अतीत पर चिंतन करने का समय नहीं हैं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन करने का एक अवसर भी है। बुजुर्गों के ज्ञान का सम्मान करके और महिलाओं व युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देकर ये सभाएं जमीनी स्तर पर लोकतंत्र और शासन की जड़ों को मजबूत करेंगी।

जिपं अध्यक्ष कार्यालय पर हुआ एसओ प्रहलाद मीणा जी का भव्य स्वागत।

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

रायसेन। आबकारी विभाग रायसेन में अपनी सेवा दे रहे प्रहलाद मीणा अपना सेवाकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए इस अवसर पर मीणा समाज सेवा संगठन रायसेन द्वारा उनका सेवानिवृत्त सम्मान समारोह जिला पंचायत अध्यक्ष बब्लू मीणा जी के कार्यालय पर आयोजित हुआ जिसमें क्षेत्र के सभी सामाजिक बंधु शामिल हुए जिलापंचायत अध्यक्ष बबलू मीणा जी ने सेवानिवृत्त प्रहलाद मीणा जी को तिलक लगाकर फूलमाला पहनाकर उनके कार्य की प्रशंसा की ओर उन्हें सफलतापूर्वक सेवापूर्ण करने पर बधाई शुभकामनाएं दी इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष बब्लू मीणा, नवनियुक्त जिला अध्यक्ष (मीणा समाज सेवा संगठन रायसेन) भाईसाहब मिट्ठू लाल मीणा जी ,पटवारी भगवानसिंह मीणा जी,दातार सिंह मीणा जी,भगवान सिंह मीणा जी,राजमीणा जी,विष्णुप्रसाद मीणा, सरपंच सुरेंद्र मीणा, सरपंच रघुवीर मीणा, भवरलाल मीणा,लीलाकिशन मीणा,करण सिंह मीणा,घुमानसिंह मीणा,युवा जिला प्रभारी प्रकाश मीणा,महेश मीणा,संतोष मीणा, जयदीप मीणा, गजेंद्र मीणा एवं सामाजिक बंधुओं ने बधाई शुभकामनाएं दी।

सेहत के लिहाज से काफी फायदेमंद है नारियल पानी

नारियल पानी अधिकतर लोगों को पसंद आता है। लेकिन ये सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद है। दरअसल, इसमें शरीर के लिए फायदेमंद कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट पाए जाते हैं। जो आपको कई सेहत लाभ देते है। तो आइए जानते हैं नारियल पानी से क्या-क्या फायदे मिलते हैं.

- नारियल पानी का सेवन लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नारियल पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो लिवर में कई तरह के विषाक्त पदार्थों की गतिविधि को कम करते हैं। इसका सेवन करना लिवर के लिए काफी लाभकारी होता है।
- पेट के लिए नारियल पानी बेहद फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी, अल्सर में थोड़ा-थोड़ा नारियल पानी पीने से आराम मिलता है।
- ऊर्जावान रहने के लिए नारियल पानी काफी अच्छा होता है। इसके सेवन से कमजोरी, थकान, चक्कर आने जैसी समस्याओं में इसको पीने से तत्काल लाभ प्राप्त होता है।
- नारियल पानी हृदय रोग का जोखिम कम करने का काम करता है। इसके सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है।
- वजन कम करना चाहते है, तो नारियल पानी आपकी बहुत मदद करेगा। यह कैलोरी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो वजन और मोटापा कम करने में मददगार हैं।
- त्वचा में ग्लो और स्किन बिलकुल क्लिन रखना चाहते है तो नारियल पानी आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। यदि चेहरे पर मुहांसे और दाग धब्बों की समस्या बढ़ गई है ,तो नारियल पानी का सेवन आपकी सारी समस्या को दूर करेगा।

बेल का जूस पीने से सुराही जैसा ठंडा रहेगा पेट

गर्मी में बेल का रस जरूर पीना चाहिए। ये समर ड्रिंक शरीर को चिलचिलाती धूप से बचाने और हाइड्रेट करने का काम करती है। आइए इस फल का शरबत पीने के फायदे जानते हैं।

गर्मी में चिलचिलाती धूप से बचना बहुत जरूरी है। यह शरीर में पानी की कमी, कब्ज, पेट में जलन, सीने में जलन जैसी दिक्कतें कर सकती है। इन समस्याओं को दूर रखने के लिए गर्मी में बेल का जूस पीना चाहिए। यह समर ड्रिंक बेहद हेल्दी होती है। बेल फ्रूट को बिल्व भी कहा जाता है, जो मूल रूप से भारत में पैदा होता है। यह फल पेट की गर्मी दूर करने का रामबाण इलाज है। आप इसका शरबत पीकर पेट को ठंडक दे सकते हैं। आयुर्वेद एक्सपर्ट डॉ. अबरार मुल्तानी ने बेल शरबत के फायदों के बारे में बताया है। बेल फल काफी पौष्टिक होता है। इसमें प्रोटीन, पानी, फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन बी1, विटामिन बी2, विटामिन सी की अच्छी मात्रा मिल जाती है। इसका गूदा पेट और पाचन के लिए बेहतरीन माना जाता है।

गर्मी की बेस्ट ड्रिंक

डॉ. बेल जूस के बेनिफिट बताते हुए इसे गर्मी के लिए बेस्ट ड्रिंक कहते हैं। इसके रस में ठंडा, ताजगी, पोषण, लैक्सेटिव आदि गुण होते हैं। जो इसे धूप के मौसम के लिए टॉनिक बनाते हैं।

खुल जाएंगी आंतें

पाचन खराब होने पर आंतों का संकुचन कम हो जाता है, जो कि कब्ज बनाता है। गर्मी में डिहाइड्रेशन इस समस्या को गंभीर बना सकती है। मगर बिल्व रस पानी की पूर्ति करके आंतों को रिलैक्स करता है और संकुचन सामान्य करने में मदद करता है।

हड्डियों की मजबूती बढ़ाता है

पेट के अलावा बेल फल का जूस हड्डियों के लिए फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम का लेवल शारीरिक ढांचे को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। यह ड्रिंक तुरंत एनर्जी देने के लिए भी जानी जाती है।

बढ़ जाएगा खून

बेल के जूस में विटामिन बी2 होता है, जो शारीरिक विकास में मदद करता है। ये पौष्टिक गुण रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन में मददगार होता है। जिससे खून की कमी दूर होती है।

गर्मी में रामबाण है बेल का शर्बत

गर्मी के दुष्प्रभाव और सेहत की हर समस्या के लिए बेल का प्रयोग रामबाण है। यह न केवल शरीर में ठंडक पैदा करेगा बल्कि आपको सेहत से जुड़े ऐसे लाभ देगा, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। गर्मियों में रामबाण है बेल और उसका शर्बत। जानें 7 फायदे -

- गर्मी के दिनों में लू लगने का डर सबसे ज्यादा होता है। बेल का शर्बत बनाकर पीने से लू का खतरा नहीं होता और लू लग जाने पर यह दवा के रूप में कार्य करता है। तपते शरीर की गर्मी दूर करने में यह बेहद लाभकारी है।
- शरीर में गर्मी अधिक बढ़ जाने पर आंव- दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए प्रतिदिन आधे कच्चे-पक्के बेलफल का सेवन करें या फिर बेल के शर्बत का सेवन करें। यह डायरिया रोग में काफी लाभप्रद है।
- कई मर्तबा गर्मियों में आंखें लाल-लाल होने के साथ ही जलने लगती हैं। ऐसी स्थिति में बेल के पत्तों का रस एक-एक बूंद आंख में डालने से तुरंत लाभ होता है और इसका कोई नुकसान नहीं होता। इसे बात का ध्यान रखें कि रस में कचरा न हो। आंख के दर्द में बेल के पत्तों की लुगदी आंख पर बांधने से काफी आराम मिलता है।
- पाचन संबंधी समस्याओं में पके हुए बेलफल का सेवन लाभदायक होता है। इसका शर्बत पीने से पेट साफ रहता है। यह फल पाचक होने के साथ-साथ बलवर्द्धक है। इसके सेवन से वात-कफ संबंधी समस्याएं भी समाप्त हो जाती हैं। गर्मियों में गर्भवती स्त्रियों का जी मिचलाने लगे तो बेल और सौंठ का काढ़ा दो चम्मच पिलाने पर लाभ होता है।
- बेल का मुरब्बा शरीर की शक्ति बढ़ाता है और कमजोरी दूर करता है। यह पेट संबंधी समस्याओं में तो फायदेमंद है ही, बेल के गूदे को खांड के साथ खाने से आंत संबंधी रोग में राहत मिलती है।
- बच्चों के पेट में कीड़े होने पर तो इसके पत्तों का अर्क पिलाना कारगर उपाय है। छोटे बच्चों को प्रतिदिन एक चम्मच पका बेल खिलाने से शरीर की हड्डियां मजबूत होती हैं।
- बेल के पके फल को शहद व मिश्री के साथ चाटने से शरीर के खून का रंग साफ होता है और खून में भी वृद्धि होती है। वहीं इसके गूदे में काली मिर्च, सेंधा नमक मिलाकर खाने से आवाज भी सुरीली होती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ओलम्पिक एवं पैरालम्पिक पदक विजेताओं का करेंगे सम्मान

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नियुक्ति-पत्र प्रदाय समारोह 2 अक्टूबर को

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 2 अक्टूबर को ओलम्पिक एवं पैरालम्पिक खेल-2024 के पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान करेंगे। सम्मान समारोह दोपहर 12 बजे से तात्या टोपे खेल स्टेडियम के बेडमिंटन हॉल में होगा। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि समारोह में वर्ल्ड डेफ शूटिंग चैम्पियनशिप में विजेता और प्रतिभागिता करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि समारोह में विक्रम पुरस्कार प्राप्त उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में नियुक्ति-पत्र

प्रदान किये जायेंगे। टी.टी. नगर स्टेडियम के ऑडियो-विजुअल हाल में सुबह 10:15 बजे से एंटी डोपिंग वर्कशॉप होगी। इसमें नाडा एक्सपर्ट अमित खंडेलवाल और मनोज कुमार अपने विचार व्यक्त करेंगे। इसी प्रकार सुबह 11 बजे से साइबर सिक्योरिटी वर्कशॉप में विशेषज्ञ अंबर पांडे साइबर सिक्योरिटी के संबंध में बतायेंगे। ओलम्पिक पदक हासिल करने वाले हॉकी खिलाड़ी विवेक प्रसाद सागर, पैरालम्पिक पदक प्राप्त जूडो खिलाड़ी कपिल परमार और शूटिंग खिलाड़ी सुश्री रूबीना फ्रांसिस को राज्य सरकार की ओर से एक-एक करोड़ रुपये की राशि का चैक भेंट कर सम्मानित किया जायेगा। इसी प्रकार ओलम्पिक प्रतिभागी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, पैरालम्पिक प्रतिभागी सुश्री प्राची यादव और सुश्री पूजा ओझा का 10-10 लाख रुपये की राशि का चैक भेंट कर सम्मान किया जायेगा। विश्व सिक्स रेड स्नूकर चैम्पियनशिप के विश्व विजेता कमल चावला को 3 लाख और डेफ शूटिंग चैम्पियनशिप के विजेता चेतन हेमंत सप्कल को 2 लाख राशि का चैक भेंट कर सम्मानित किया जायेगा। समारोह में वर्ष 2017 से वर्ष 2022 तक विक्रम पुरस्कार प्राप्त उत्कृष्ट खिलाड़ियों को जल संसाधन, लोक निर्माण, नगरीय विकास, ऊर्जा, चिकित्सा शिक्षा एवं वन विभाग में नियुक्ति-पत्र प्रदान किये जायेंगे। थ्रो-बॉल खिलाड़ी चन्द्रकांत हरडे, वुशू खिलाड़ी सुश्री भूरक्षा दुबे, शूटिंग खिलाड़ी सुश्री प्रगति दुबे, खो-खो खिलाड़ी सुश्री नैन्सी जैन, मलखम्ब खिलाड़ी राजवीर सिंह और जूडो खिलाड़ी सुश्री पूनम शर्मा को जल संसाधन विभाग में नियुक्ति के पत्र दिये जायेंगे। इसी प्रकार पैराकेनो खिलाड़ी सुश्री प्राची यादव और कराते खिलाड़ी सुश्री निधि नन्हेट को लोक निर्माण विभाग में नियुक्ति के प्रमाण-पत्र वितरित किये जायेंगे। सॉफ्ट बॉल खिलाड़ी सुश्री पूजा पारखे, सुश्री रागिनी चौहान तथा योगा के रोहित वाजपेई को नगरीय विकास एवं आवास विभाग का नियुक्ति-पत्र दिया जायेगा। इसी प्रकार सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी जय मीणा और साहसिक खेल के भगवान सिंह कुशवाह को ऊर्जा विभाग में नियुक्ति के प्रमाण-पत्र दिये जायेंगे। कबड्डी खिलाड़ी सुश्री कंचन ज्योति, सॉफ्ट बॉल खिलाड़ी सुबोध चौरसिया और सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी आदित्य दुबे को चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा शूटिंग खिलाड़ी सुश्री चिंकी यादव को वन विभाग में नियुक्ति दी जायेगी। इसी प्रकार सुश्री पूजा वस्त्रकार, सुश्री सुदिप्ती हजेला, दिव्यांग धनंजय दुबे, राजू सिंह, सुश्री सोना कीर, विश्वजीत सिंह, हर्षवर्द्धन तोमर, सुश्री आध्या तिवारी को जल संसाधन विभाग, सुश्री राजेश्वरी कुसराम को लोक निर्माण विभाग और रत्नेश पाण्डे को नगरीय विकास एवं आवास विभाग में नियुक्ति के प्रमाण-पत्र दिये जायेंगे।

सुजल-शक्ति अभियानः जल संरक्षण और सामुदायिक जागरूकता की मिसाल

चौथे दिन दस्तक धारा दिवस पर हर घर पहुंकर ग्रामीणों को किया जागरूक

भोपाल। मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन अन्तर्गत सुजल-शक्ति अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी थीम जल हमाराझजीवन धारा रखा गया है। यह अभियान 28 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। इसमें चिन्हित ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति को सतत और सुरक्षित बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान का प्रमुख उद्देश्य, हर घर को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के साथ जल संसाधनों के प्रबंधन में सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। इस अभियान में ग्रामीण जल प्रणालियों को बेहतर बनाना, जल गुणवत्ता की नियमित जांच करना और समुदायों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जल-जीवन मिशन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से अभियान संचालित

किया जा रहा है। इसकी विशेष बात यह है कि इसमें सामुदायिक भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया है, जिससे स्थानीय जल प्रबंधन को मजबूत किया जा सके और जल संकट से निपटने के लिए स्थायी समाधान खोजे जा सकें। दस्तक-धारा दिवस की गतिविधियाँ अभियान के चौथे दिन, 1 अक्टूबर 2024 को दस्तक-धारा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके तहत समुदाय में जल संरक्षण, सतत जल आपूर्ति और सामुदायिक जिम्मेदारियों को लेकर जागरूकता के लिये गतिविधियां की जा रही हैं। दिन की शुरूआत जल कर, उसकी गणना, वास्तविक प्राप्ति, और 24७7 जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के वस्तुस्थिति की समीक्षा से हुई। चिन्हित ग्रामों में ह्नहर घर जल गांव प्रमाणीकरणह्न प्रक्रिया की जानकारी जुटाई गई। साथ ही, हम, जल साथी अभियान के तहत उन परिवारों की पहचान की गई जिन्होंने जल प्रबंधन चैंपियन के मानदंड पूरे किए हैं। इन परिवारों को हरे स्टिकर देकर सम्मानित किया गया, जिससे अन्य परिवार भी जल संरक्षण की दिशा में कदम उठाने के लिये प्रेरित हों। सामुदायिक सहभागिता पर जोर दस्तक-धारा दिवस के लिये गठित टीम ने घर-घर जाकर परिवारों से संपर्क किया और उन्हें जल जीवन मिशन के लाभ और महत्व के बारे में बताया। परिवारों को नियमित जल प्राप्ति के लिए जल-कर के महत्व को समझाया गया और साथ ही, जल स्त्रोतों की सुरक्षा और टिकाऊ जल प्रबंधन के महत्व को भी साझा किया। अभियान में ग्राम जल और स्वच्छता समिति, स्वयं सहायता समूह, पंप ऑपरेटर, एनजीओ साझेदार, युवा स्वयं-सेवक, जन अभियान परिषद और एनएसएस सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। फॉलो-अप गतिविधियों के तहत, हम जल साथी स्टिकर प्राप्त परिवारों को के अलावा अन्य परिवारों को स्थायी जल प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही, जल कर एकत्र करने और उन परिवारों से संवाद किया गया जिन्हें इसके भुगतान में कठिनाई हो रही है। अभियान की सफलता की दिशा में कदम सुजल-शक्ति अभियान से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, बल्कि जल संसाधनों के संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दस्तक-धारा दिवस के माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में की गई यह पहल आने वाले समय में जल संकट को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गांधी-शास्त्री जयंती पर विधान सभा परिसर में पुष्पांजलि कर स्वच्छता दिवस मनाया

इस अवसर पर विधान सभा प्रमुख सचिव श्री सिंह ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा तथा शास्त्री जी के सादगी पूर्ण जीवन मूल्य हम सब के लिए अनुकरणीय हैं।

भोपाल। मध्य प्रदेश विधान सभा में गांधी एवं शास्त्री जयंती पर बुधवार सुबह 09 बजे स्वच्छता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एपी सिंह, प्रमुख सचिव विधान सभा के साथ अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पहले परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तदुपरान्त पुस्तकालय कक्ष में गांधी तथा शास्त्री के चित्र पर सूत की मालाओं के साथ पुष्पांजलि अर्पित की गई । साथ ही सामूहिक रूप से ज्ञान ज्योति प्रज्वलित की गई। इस अवसर पर विधान सभा प्रमुख सचिव श्री सिंह ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा तथा शास्त्री जी के सादगी पूर्ण जीवन मूल्य हम सब के लिए अनुकरणीय हैं। आज आर्टीफिशियल इण्टेलिजेंस के युग में हमें अपने मूल चिंतन व सनातन मूल्यों को अपनाने का संकल्प लेना होगा तभी यह जयंती सार्थक होगी । इसके बाद प्रमुख सचिव ने अधिकारियों व भवन नियंत्रक के साथ विधानसभा परिसर में स्वच्छता अभियान का अवलोकन किया।

शिक्षा की बेहतरी के लिये कार्यशाला में निकले निष्कर्षों को अपनाया जायेगा

स्टार्स परियाजना की दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

भोपाल। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भोपाल में हुई स्टार्स (स्ट्रेंथनिंग टीचिंग-लर्निंग एण्ड रिजल्ट्स फॉर स्टेट्स) परियोजना की दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन मूल्यांकन प्रणाली को सुदृढ़ करने पर गहन चर्चा की गई। इस कार्यशाला में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और 18 प्रदेशों के प्रमुख अधिकारियों सहित अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किये। कार्यशाला में सहमति व्यक्त की गई कि शिक्षा की बेहतरी के लिये निष्कर्षों को अपनाया जायेगा। कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरूआत में केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव विपिन कुमार ने प्रभावी मूल्यांकन प्रणाली विषय पर आयोजित सत्र में वर्तमान मूल्यांकन प्रणालियों की प्रभावशीलता और इन्हें बेहतर करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सत्र में मध्यप्रदेश लोक शिक्षण संचालक दिनेश सिंह कुशवाहा ने छात्रों के परिणामों को बेहतर करने के लिए मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत करने पर प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यशाला में अंतर्राष्ट्रीय संस्था एजुकेशन टेस्टिंग सर्विस के निदेशक डॉ. जोन्स बेर्टलिंग ने मूल्यांकन की क्षमता संवर्धन एवं हिमाचल प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव मेजर विशाल शर्मा ने अपने प्रस्तुतिकरण में मूल्यांकन पद्धतियों में नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया। सत्र के अंत में चर्चा के दौरान शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों द्वारा भविष्य की शिक्षा के लिए मूल्यांकन पद्धतियों को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया। अंतिम दिन के दूसरे सत्र में विभिन्न राज्यों में संचालित विद्या समीक्षा केन्द्रों के मॉडल्स और निर्णय लेने के लिए मूल्यांकन परिणामों का एकीकरण विषय पर चर्चा की गई। सत्र का संचालन करते हुए छत्तीसगढ़ के शिक्षा सचिव परदेशी सिद्धार्थ कोमल ने

वीएसके मॉडल के क्रियान्वयन पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। इस दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा राज्यों के शिक्षा विभागों के अधिकारियो ने चर्चा में सहभागिता की। सत्र के बाद अनेक राज्यों के अधिकारियों ने राज्य शिक्षा केन्द्र के भोपाल स्थित कार्यालय मे स्थापित विद्या समीक्षा केन्द्र का अवलोकन किया और वहाँ संचालित मूल्यांकन पद्वति तथा कार्य-प्रणाली की प्रशंसा की। दोपहर बाद के सत्र में राज्यों में मूल्यांकन कक्षों को सुदृढ़ करना विषयक सत्र में राजस्थान के माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने मूल्यांकन कक्ष की आवश्यकता और इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। इस सत्र की पैनल चर्चा में राजस्थान, ओडिशा और महाराष्ट्र के शिक्षा निदेशकों ने भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। कार्यशाला के समापन पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव विपिन कुमार ने दो दिवसीय कार्यशाला के मुख्य निष्कर्षों को प्रस्तुत किया और भारत में मूल्यांकन प्रणालियों को और सुदृढ़ करने की दिशा में आगे बढ़ने की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला के समापन सत्र में सभी राज्यों और केन्द्र सरकार के प्रतिनिधियों ने कार्यशाला में प्रस्तुत बेस्ट प्रेक्टिसेस को अपने-अपने राज्यों में आवश्यकतानुसार अपनाने की इच्छा जाहिर की।

प्रदेश के कॉलेजों से खेलकूद गतिविधियां हुई गायब

भोपाल। प्रदेश में कॉलेज स्तरीय खेलकूद गतिविधियों की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। वर्तमान में खेलकूद गतिविधियां या तो समाप्त हो गई या इनडोर गेम्स तक ही सिमट कर रह गई हैं। यह स्थिति दूर-दराज वाले कॉलेजों की नहीं है, बल्कि राजधानी भोपाल के अनेक कॉलेजों में भी यही स्थिति देखने को मिली है। यह स्थिति तब है जबकि खेल को पढ़ाई का अहम हिस्सा बनाया जा चुका है। प्रदेश के कुल 570 सरकारी कॉलेजों में से केवल 150 कॉलेज ऐसे हैं, जिनमें खेल के मैदानों की स्थिति ठीक है। नई शिक्षा नीति के तहत, खेलों को कॉलेजों में पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा

बनाया गया है, लेकिन फिर भी 170 कॉलेजों में खेल अधिकारी नहीं हैं। यह स्थिति दशार्ती है कि खेलों को लेकर सरकारी प्रयासों की कमी है। हाल ही में, उच्च शिक्षा विभाग ने 30 सितंबर को कॉलेजों में खेलकूद प्रोत्साहन योजना के तहत खरीदी के आदेश जारी किए हैं, लेकिन इस पहल को लेकर कॉलेजों में कोई उत्साह देखने को नहीं मिला है। कॉलेजों में पदस्थ स्पोर्टस ऑफिसर्स के एक एसोसिएशन ने कहा है कि सरकार ने खेलों को कॉलेज में दोयम दर्जे पर डाल दिया है। उनके अनुसार, न तो खेल के मैदानों पर उचित ध्यान दिया जा रहा और न ही खेलों के आयोजन के लिए ही प्रोत्साहत किया जा रहा है। खेलों की इस स्थिति से कॉलेज स्तर पर खेलने वाले छात्र खिलाड़ियों पर भी गहरा असर पड़ रहा है। छात्रों की खेलों के प्रति रुचि कम हो रही है।

हमीदिया अस्पताल में सफलतापूर्वक की गयी प्रथम आईवीयूएस गाइडेड एंजियोप्लास्टी

भोपाल। हमीदिया अस्पताल, भोपाल के हृदय रोग विभाग की कैथ लैब में पहली बार आईवीयूएस (इंट्रावैस्कुलर अल्ट्रासाउंड) गाइडेड एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की गई। इस उपलब्धि पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने टीम को बधाई दी और कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास है कि उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं, शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में भी उपलब्ध हों। यह महत्वपूर्ण प्रक्रिया हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. डॉ. राजीव गुप्ता एवं प्रो. डॉ. अजय शर्मा की देखरेख में संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में मात्र 10,000 रुपये में आईवीयूएस गाइडेड एंजियोप्लास्टी जैसे उच्च स्तरीय उपचार किया गया है, निजी अस्पतालों में इसका खर्च लगभग 3 लाख रुपये तक आता है।

क्या है आईवीयूएस तकनीकी आईवीयूएस तकनीक से कोरोनरी धमनियों की दीवारों का अंदर से निरीक्षण किया जा सकता है, जिससे प्लाक बिल्डअप की मात्रा और प्रकार की सटीक जानकारी मिलती है। यह तकनीक यह समझने में मदद करती है कि मरीज को दिल का दौरा पड़ने का खतरा है या नहीं।

विधायक आगामी 4 वर्ष के विकास की कार्य योजना बनाकर दें प्रस्तावः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रत्येक जिले की भौगोलिक स्थिति अलग-अलग होने से आवश्यकताएं भी पृथक-पृथक होंगी। विधायक अपने-अपने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और आवश्यकता के अनुरूप आगामी चार-पांच वर्षों के लिए विकास कार्यों की कार्य योजना बनाकर प्रस्ताव दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम मध्यप्रदेश को देश का नंबर वन राज्य बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में कांग्रेस विधायकों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ 38 कांग्रेस के विधायक एवं प्रतिनिधियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावित फसलों के सर्वे कराने के निर्देश कलेक्टरों को दिए हैं। राजस्व अधिकारियों से राजस्व क्षति का आंकलन करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर फसल, पशु एवं जन-धन की हानि का आंकलन के बाद क्षतिपूर्ति राशि सुनिश्चित कर भुगतान किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कलेक्टर का दायित्व है कि अपने जिले की समस्याओं का निराकरण करें।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)